RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

विफलता के मामले में किसी और को दोष देने से बेहतर है कि दोष अपने आपको दें।

अजीम प्रेमजी

वर्ष-04, अंक - 20 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 17 फरवरी 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

विवादः बढ़ा सकती है भारत की चिंता, देश की छवि खराब करना चाहते हैं कुछ लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में इन दिनों हिजाब को लेकर हंगामा बरपा है। कुछ लोग हिजाब के समर्थन में खड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। तो कुछ लोगों का मानना है कि ये मुद्दा भारत की छवि को नुकसान पहुंचा रहा है। एशियन लाइट इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, हिजाब विवाद के सहारे एक

बहुलवादी देश के रूप में भारत की छवि को खराब करने की कोशिश की जा रही है। एशियन लाइट इंटरनेशनल ने कहा कि, दुनिया में बहुत से लोग ठीक से नहीं जानते कि भारतीय राष्ट्र और संस्कृति क्या है? भारत दुनिया के सबसे विविध देशों में से एक होने के बावजूद एक अनुकरणीय लोकतंत्र है। भारत विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों और जनजातियों, भाषाओं और व्यंजनों का देश है। यहां के विभिन्न समुदाय शांति और सौहार्दपूर्ण ढंग से रहते हैं। एशियन लाइट इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, हिजाब को प्रतिबंधित करने वाले ड्रेस कोड के बारे में एक कालेज के फैसले का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के विश्वास में हस्तक्षेप करना नहीं है। इसे कालेजों और स्कूलों जैसे बड़े और अधिक रचनात्मक प्लेटफार्मों के माध्यम से एकजुट राष्ट्र बनाने के प्रयासों के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। शैक्षणिक संस्थान समान पोशाक, पाठ्यक्रम और गतिविधियों सहित समान अवसरों के माध्यम से आपस में समानता बनाना चाहते हैं। कालेज और स्कूल भारत की विविधता और बहुलवाद के बीच एक सामूहिक विकल्प विकसित करने का प्रयास कर रहा है।

ये कैसा सुशासन मामा जी का...?

माही की गूंज, संजय भटेवरा

पिछले 19 वर्षों से (बीच में 15 माह छोड़कर) प्रदेश की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, उसमें भी अधिकांश समय अपने आप को प्रदेश का मामा कहने वाले शिवराज सिंह चौहान ही मुख्यमंत्री है और वे लगातार प्रदेश में सुराज और सुशासन का दावा करते रहते हैं। लेकिन गत दिनों 12 जनवरी को बेतूल में हुई मुख्यमंत्री की एक सभा में बड़ा ही दिलचस्प वाक्या सामने आया जिसके बाद तो ये ही कहा जा सकता है कि, ये कैसा सुशासन है जिसमें आम आदमी को अपने आप को जिंदा साबित करने के लिए मुख्यमंत्री की सभा में हंगामा करना पड़ा...?

जिसके बाद प्रशासन की कुंभकर्णी नींद खुली और आनन-फानन में कार्रवाई करते हुए संबंधित की शिकायत दर्ज की गई और दो पटवारियों समेत किसान की पत्नी व बेटे पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया... क्या न्याय पाने या शिकायत मात्र दर्ज करने के लिए हंगामा करना जरूरी है...? क्या ऐसा हर कोई व्यक्ति कर सकता है...? प्रदेश के मुख्यमंत्री हर सभा में अपनी सरकार की योजनाओं का बड़े जोर-शोर से बखान करते हुए कहते हैं, आपके मामाजी ने बेटे-बेटियों के जन्म से लेकर बुजुर्गों के अंतिम संस्कार तक के लिए योजनाएं बना रखी है। लेकिन क्या वे योजनाएं धरातल पर उतनी कारकार है...? अगर कारगर होती तो क्या 70 वर्षीय बुजुर्ग को अपने आप को जीवित साबित करने के लिए मुख्यमंत्री की सभा में हंगामा करने की आवश्यकता पड़ती...? शायद नहीं।

मामा के राज में नौकरशाही हावी

प्रदेश में नौकरशाही इतनी हावी हो चुकी है कि, वे सरकार को सब कुछ हरा-हरा ही दिखा रहे हैं। सरकार की तमाम सरकारी योजना कागज पर ही अच्छी लग रही है, हकीकत में कहानी कुछ और ही है। नहीं तो क्या कारण है कि, प्रदेश में प्रति मंगलवार को जिला स्तर पर जनसुनवाई... लोक सेवा गारंटी केंद्र... और सीएम हेल्पलाइन 181 होने के बावजूद जीवित इंसान को अपने आप को जीवित साबित करने के लिए न केवल इतना समय लगा, बल्कि सीएम की सभा में हंगामा करने तक की नोबत आन पड़ी तब जाके अफसरों को होश आया। कुछ ऐसा ही हाल अन्य सभी योजनाओं व व्यवस्थाओं का भी है, प्रदेश के विद्यालयों में शिक्षक नहीं है, हॉस्पिटलों में डॉक्टर नहीं है, कई कॉलेज केवल नाम मात्र के खुले भर है, उसमें किसी की भी नियुक्ति नहीं। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और स्वास्थ्य केवल और केवल प्रभारी के भरोसे ही चल रही है।

नौकरशाही निरंकुश है... एक ही कार्य के लिए कई बार आदेश निकलने के बावजूद कार्य फिर भी नहीं हो पाता है और मुख्यमंत्री सुराज और सुशासन का दावा कर रहे हैं क्या मुख्यमंत्री का यही सुशासन और सुराज...?

भूरा डाबरा में कल होंगी शबरी प्रतिमा की स्थापना

माही की गूंज, झाबुआ।

आदिवासी क्षेत्र की प्रमुख गौशाला भूरा डाबरा में माता शबरी की विशाल प्रतिमा की स्थापना सन्त श्री कमल किशोर जी नागर के कर कमलों से होने जा रही हैं।

इस अवसर पर शबरी महोत्सव भी मनाया जायेगा।संत श्री की आदिवासी संस्कृति के उत्थान में की जा रही इस पहल से अंचल में बड़ी उत्सुकता हैं।

कृषि साख सहकारी समितियों में होगी लोकपाल की नियुक्ति

भोपाल।

शासन द्वारा कृषि साख सहकारी समितियों में अब लोकपाल की नियुक्ति की जाएगी। यह पहली बार होगा जब मध्यप्रदेश में लोकपाल की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। सहकारी लोकपाल की नियुक्ति के साथ ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंक से जुड़ी शिकायत और कृषि साख सहकारी समितियों से जुड़ी शिकायत की सुनवाई अब स्वतंत्र निकाय द्वारा की जाएगी। वहीं इसके लिए सरकारी लोकपाल की नियुक्ति स्वतंत्र निकाय में होगी।

दरअसल इसके लिए सहकारिता आयुक्त कार्यालय द्वारा प्रस्ताव राज्य शासन को भेज दिया गया है। जिन लोकपाल की नियुक्ति की जाएगी, उसमें सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सहकारिता विभाग के अपर संयुक्त पंजीयक स्तर के अधिकारी को लोकपाल नियुक्त किया जाएगा। इससे पहले आरबीआई और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा शिकायतों के समाधान के लिए स्वतंत्र निकाय की सिफारिश की गई थी।

आज से 12वीं व कल से 10वीं की परीक्षाएं होगी शुरू

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की तरफ से 12वीं की परीक्षाएं आज से आयोजित की जाएंगी, वहीं हाईस्कूल की परीक्षाएं 18 फरवरी से . प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक परीक्षा होगी व छात्रों को 9:45 बजे के बाद केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

बोर्ड परीक्षा को लेकर धारा 144 लागू

भोपाल में आज से शुरू होने जा रही माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 10 वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा को लेकर धारा 144 लागू कर दी गई है, कलेक्टर भोपाल अविनाश लवानिया ने आदेश जारी किया है धारा-144 शहर में आज से 12 मार्च तक लागू रहेगी, वही अब किसी भी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र अगर बजाया तो कार्यवाही होगी, इन परीक्षा केंद्र के आसपास हथियार और किसी भी तरह के प्रदर्शन पर रोक लगा दी गई है, बोर्ड परीक्षा के लिए भोपाल में कुल 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए है, जिनमें कुल 104 में से 13 अतिसंवेदनशील और 6 सवेंदनशील सेंटर बनाए गए है।

जम्मू-कश्मीर में छापेमारी के दौरान जैश-ए-मोहम्मद के 10 'ओवरग्राउंड वर्कर' गिरफ्तार

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर पुलिस की प्रदेश जांच एजेंसी (एसआईए) ने प्रतिबंधित आतंकी समूह जैश-ए-मोहम्मद के लिए काम करने के आरोप में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन्हें ओवरग्राउंड वर्कर्स भी कहा जाता है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि, यह पूरी कार्रवाई जम्मू-कश्मीर पुलिस की नव गठित एजेंसी एसआईए द्वारा की गई है।

बता दें कि, एसआईए का गठन हाल ही में किया गया था। साथ ही इसे आतंकवाद और अलगावावाद से जुड़े अपराधों की जांच करने का अधिकार दिया गया है। अधिकारियों ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एसआईए ने कश्मीर के दक्षिण और मध्य जिलों में विभिन्न स्थानों पर रात भर छापे मारे और इस दौरान दस लोगों को गिरफ्तार किया गया।

कोरोना गाइड लाइन से मुक्त होकर मनेगा भगोरिया पर्व, बसंती उल्लास के बिखरेंगे रंग

उत्साह का बनेगा माहौल गूंजेगी ढोल मांदल की थाप, थिरकेंगे वनवासियों के कदम

माही की गूंज, झाबुआ।

पिछले दो वर्ष जिले के साथ पूरे देश ने कोरोना का दंश झेलते हुए निकाल दिए। सब कुछ इन दो सालों में रूका-रूका सा महसूस हुआ, लेकिन कोरोना की काली परछाई के बावजूद इन दो सालों में कुछ नही रूका तो वह था आदिवासियों का मुख्य त्यौहार भगोरिया। होली के पहले सप्ताह भर चलने वाला आदिवासियों का यह पर्व कोरोना के बावजूद हर वर्ष जारी रहा। इसकी वजह कुछ ऐसी है कि, यह पर्व बसंत में होली के आसपास ही मनाया जाता है। पिछले दोनों ही वर्षों में इस पर्व के आसपास कोरोना संक्रमण भी कम ही रहा, जिसके चलते दोनों ही वर्ष इस पर्व पर लगने वाले मेलों के आयोजन होते रहे। इन दो वर्षों में जब कोरोना की शुरूआत हुई थी तब यह पर्व निपट चुका था। भगोरिया पर्व और होली का त्यौहार निपटते ही कोरोना की पहली लहर ने जिले सहित देशभर में हाहाकार मचाया था। हालांकि दूसरे वर्ष में भी कोरोना यथावत बना हुआ था मगर इस समय स्थिति गंभीर नही होने से इस आयोजन को रोका नहीं गया। मगर दूसरे वर्ष में उल्लास के इस पर्व का रंग फिका ही नजर आया। दो वर्षों बाद अब उम्मीद जागी है कि, इस पर्व में फिर से वहीं उल्लास देखने को मिलेगा जो कोरोना काल को छोड़कर पिछले वर्षों में देखा जाता रहा है। जिले सहित देशभर में कोरोना की रफ्तार भी मानों थम सी गई है। यह एक अच्छा संकेत भी है। इस वर्ष जिले में लगने वाले भगोरिया मेले 11 मार्च से शुरू हो रहे है। आदिवासियों के परंपरागत त्यौहार से हर वर्ग को बड़ी उम्मीदें है। कोरोना की मार झेल रहे व्यापारी भी नई आशाओं के साथ इस पर्व को देख रहे है। कोरोना संक्रमण ने जिस तरह से प्रहार किया था उससे हर वर्ग के लोगों और व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। व्यापार, कारोबार मानों शुन्य पर पहुंच गए थे। अब शायद यह दौर कोरोना से मुक्ति का दौर है। जीवन ने अपनी रफ्तार पकडना शुरू कर दी है, लेकिन अब भी व्यापार, व्यवसाय में वह उठाव नही आ पाया है जो कोरोना संक्रमण के पहले था। अब उम्मीदें जागी है कि, आने वाले दिनों में सबकुछ ठीकठाक हो जाएगा। आने वाले भगोरिया पर्व से भी कई उम्मीदें व्यापार, व्यवसाय को है।

कोरोना संक्रमण के चलते 2020 और 2021 में कई बड़े आयोजन नहीं हो सके लेकिन भगोरियों पर इसका असर नहीं हुआ। मगर उल्लास का यह पर्व कोरोना संक्रमण के चलते फीका ही रहा। अब प्रदेश में मुख्यमंत्री ने नाइट कर्फ्यू के अलावा सारी पाबंदियों में छूट दे दी है। इसी छूट में मेले लगाने की अनुमति भी मिल गई है। अब अगर आने वाले दिनों में सबकुछ ठीकठाक रहा तो 11 मार्च से आदिवासी अंचल में भगोरियों की शुरूआत हो जाएगी। वैसे भी अभी जिले में शादियों का दौर जमकर चल रहा है। आदिवासी समाज में भी शादियों की धूम मची हुई है और यही उल्लास भगोरियों तक पहुंच जाएगा।

झाबुआ-आलीराजपुर इस तरह होंगे इस साल भगोरिये मेले

11 मार्च शुक्रवार - आलीराजपुर जिले के कठीवाड़ा, वालपुर, उदयगढ़ तथा झाबुआ जिले में भगोर, बेकल्दा, मांडली व कालीदेवी।

12 मार्च शनिवार - आलीराजपुर जिले के उमराली, नानपुर तथा झाबुआ जिले में मेघनगर, रानापुर, बामनिया और झकनावदा।

13 मार्च रविवार - आलीराजपुर जिले के छकतला, झीरण, सोरवा, आमखूंट, कुलवट तथा झाबुआ जिले के झाबुआ, ढोल्यावाड़, रायपुरिया, काकनवानी।

14 मार्च सोमवार - आलीराजपुर जिले के आलीराजपुर, भाबरा, बड़ा गुड़ा तथा झाबुआ जिले के पेटलावद, रंभापुर, मोहनकोट, कुंदनपुर, रजला।

15 मार्च मंगलवार - आलीरापुर जिले के बखतगढ़, आम्बुआ, अंधारवाड़ तथा झाबुआ जिले के पिटोल, खरडू, थांदला, तारखेड़ी, बरवेट।

16 मार्च बुधवार - आलीराजपुर के चांदपुर, खट्टाली, बरझर, बोरी तथा झाबुआ के उमरकोट, माछलिया, करवड़, बोड़ायता, कल्याणपुरा, मदरानी, ढेकल।

17 मार्च गुरूवार - आलीराजपुर के फूलमाल, सोंडवा, जोबट तथा झाबुआ के पारा, हरिनगर, सारंगी, समोई, चौनपुरा आदि स्थानों पर उल्लास के साथ भगोरिया मेले का आयोजन होगा।

भारत-यूक्रेन के बीच उड़ानों की संख्या बढ़ाने पर चर्चा, भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है परिवार

नई दिल्ली, एजेंसी।

रुस और यूक्रेन के बीच हालात पर भारत लगातार नजर बनाए हुए है। इसी बीच भारत और यूक्रेन के बीच उड़ानों की संख्या बढ़ाए जाने को लेकर नागरिक उड्डयन प्राधिकरण और विभिन्न एयरलाइनों के साथ चर्चा चल रही है। सूत्रों के अनुसार, यूक्रेन में रह रहे भारतीय नागरिकों और भारत में उनके परिवारों के सवालों का जवाब देने के लिए दूतावास के साथ-साथ विदेश मंत्रालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं।

आपको बता दें कि, कीव में स्थित भारतीय दूतावास ने यूक्रेन में भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। सूत्रों ने एएनआइ को बताया कि, हम जानते हैं कि कई भारतीय छात्र इस समय यूक्रेन में हैं और उनके परिवार अपने बच्चों को लेकर चिंतित हैं। सूत्रों ने आगे कहा, यूक्रेन में भारतीय नागरिकों और भारत में उनके परिवारों के सवालों के जवाब देने के लिए दूतावास के साथ-साथ विदेश मंत्रालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं।

हाल ही में भारतीय दूतावास द्वारा एक एडवाइजरी जारी की गई थी। जिसमें कहा गया है कि, यूक्रेन में रह रहे भारतीय नागरिक, खासतौर से छात्र जिनका रुकना जरूरी नहीं है, वे अस्थायी रूप से निकलने पर विचार कर सकते हैं। भारतीय नागरिकों को यूक्रेन और यूक्रेन के अंदर गैर जरूरी यात्रा से बचने की सलाह भी दी जाती है।

चीनी टेलीकाम कंपनी हुवावे पर आयकर विभाग की कार्रवाई, परिसरों पर मारे छापे,

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने चीनी टेलीकाम कंपनी हुवावे के भारत स्थित परिसरों पर छापेमारी की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, आयकर विभाग की ओर से यह कार्रवाई टैक्स चोरी की छानबीन के तहत की गई है। समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक ये छापे कंपनी के परिसरों में मंगलवार को दिल्ली, गुरुग्राम और बेंगलुरू में मारे गए। वहीं समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक चीनी टेलीकाम कंपनी हुवावे ने भी आयकर विभाग के अधिकारियों के उसके कार्यालयों पर पहुंचने की पुष्टि की है।

आखिर ये कैसी कलंकित करने वाली राजनीति...?

अपने निजी स्वार्थ सिद्ध करने के लिए समाज की आड़ लेकर गांव की शांत फिजा को बिगाड़ने का किया प्रयास

स्वार्थी उर्फ असामाजिक तत्वों ने मंगलवार को झकनावदा में किया काला दिन साबित

मामला: एक पत्रकार ने अन्य पत्रकार द्वारा प्रकाशित समाचार लिंक व पोस्ट को सोशल मीडिया पर वायरल करने का

माही की गूंज, झाबुआ/झकनावदा

स्वार्थी एवं असामाजिक तत्वों की ना कोई जात न पात होती है, ऐसे स्वार्थी उर्फ असामाजिक तत्व परिवार, समाज तो क्या अपनी मां की कोख से जन्म लेकर अपनी ही मां को भी कलंकित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं, ऐसे कई वाकिये देखे गए हैं। जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्रंगेश्वर धाम की पावन धरा के झकनावदा में बहुत ही अलौकिक धार्मिक आयोजन के साथ सिर्वी समाज की कुलदेवी श्री आई माता की प्राण प्रतिष्ठा का पांच दिवसीय भव्य आयोजन रखा गया। उक्त आयोजन में सर्व समाजजनों ने अपनी उपस्थिति के साथ सामूहिक भाईचारा का संदेश देकर उक्त आयोजन की भव्यता को हर किसी ने निखारा। परंतु कुछ नामी व स्वार्थी तत्वों को समाज की उक्त भव्यता व आयोजन शायद रास नहीं आया और समाज की आड़ लेकर ऐसी राजनीति रची की मंगलवार को झकनावदा की धार्मिक धरा पर काला दिन साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

पांच दिवसीय श्री आई माता प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन 10 फरवरी से 14 फरवरी तक आयोजित हुआ। उक्त आयोजन में सिर्वी समाज ने राजा और रंक में कोई अंतर नहीं रख राजनीति से परे रखें आयोजन की रूपरेखा बनाकर सभी आए अतिथियों एवं आमजन को एक जैसा सम्मान देकर आयोजन में स्वागत किया। उक्त भव्य आयोजन का कवरेज भी माही की गूंज ने प्रमुखता के साथ किया। वही हमारे स्थानीय प्रतिनिधि एवं गायक आनंद सोलंकी ने भी भजन संध्या से लेकर समाचार लेखन तक आयोजन की भव्यता में अपना सहयोग प्रदान किया। लेकिन कुछ शरारती तत्व व अवैध धंधे बाजो को यह बात रास नहीं आई। और अपनी निजी द्वेष भाव निकालने के लिए समाज की आड़ लेकर उक्त पत्रकार उर्फ गायक आनंद सोलंकी पर षड्यंत्र के साथ उस पर एक भीड़ के साथ जानलेवा हमला कर जुलूस निकालते हुए पुलिस चौकी पर पहुंचे।

मामला कुछ यु हुआ कि, सिर्वी समाजजनों ने राजा और रंक सब एक को परिभाषित करते हुए किसी को वीआईपी का दर्जा नहीं दिया। वही कांग्रेस-भाजपा के समस्त राजनीतिक जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया और मंच पर सिर्फ धार्मिक गुरुजन एवं समाजजन को ही आमंत्रित किया। लेकिन आयोजन के दौरान एक दिन शाम को झाबुआ-रतलाम सांसद गुमान सिंह डामोर ने भी अपनी शिरकत दी। कुछ स्थानीय समाजजनों ने चर्चा की कि, क्षेत्रीय सांसद है तो, मंच पर आमंत्रित करने में समाज व अतिथि का आपसी अतिथि सत्कार का सम्मान स्थापित होगा की सोच के साथ सम्मान पूर्वक सांसद को मंच पर आमंत्रित किया। लेकिन सांसद के साथ स्थानीय निवासी एवं सांसद प्रतिनिधि राजेश कासवा मंच पर पहुंचे तो स्थानीय समिति सदस्यों ने सम्मान के साथ आयोजन की व्यवस्थाओं को बताया और उक्त आयोजन राजनीति से परे है कहा। जिस पर राजेश कासवा स्वयं आयोजक सदस्यों की भावनाओं की कद्र कर सम्मान के साथ नीचे आकर दरी पर बैठ धार्मिक आयोजन का लाभ लिया।

जिला पत्रकार संघ प्रतिनिधि के पहुचने के बाद हाथ उचा कर-कर के पुलिस के सामने चौकी पर हुडदंगी अपने आंतक का दे रहे थे परिचय।

वही एक अन्य पत्रकार साथी ने इसको अपने नजरिए के साथ बिना किसी समाज व नेता के नाम के साथ न्यूज़ पोर्टल पर 14 फरवरी को समाचार प्रकाशित किया कि, ''एक फोटो छाप नेता फोटो खिंचवाकर मीडिया में सुर्खियां बटोरता था, पर कुछ ऐसा हुआ कि नेताजी के माईबाप गांव के कार्यक्रम में पधारे तो माईबाप के साथ नेताजी मंच और कुर्सी की ओर चढ़ ही रहे थे कि, स्थानीय समाज के लोगों ने कहा आपकी जगह नीचे है यहां सिर्फ अतिथि बैठेंगे, साहब तो जरूर मंच पर बैठ गए पर साहब के प्रतिनिधि को दरी पर ही बैठना पड़ा। सामाजिक कार्यक्रम था सबके लिए नियम बराबर थे लेकिन मन मकोसते हुए नेताजी गांव का जोगी जोगड़ा की तर्ज पर नीचे बेठ हि गए।''

उक्त समाचार में भी देखा जाए तो किसी भी समाज को आहत करने जैसी बात नहीं थी, पर साथ ही ''कमिंग सुन'' के साथ एक पोस्ट भी उक्त समाचार के साथ वायरल की पोस्ट में लिखा था ''झकनावदा के नेताओं की रोचक कहानियां'' ''नेतागिरी की आड़ में अवैध धंधों का जखीरा'' ''क्षेत्र को बना दिया सट्टा खेलने का गढ़'' ''जिसकी कल्पना भी आम आदमी नहीं कर सकता'' ''कहां-कहां कर दिया सरकारी कार्यों में भ्रष्टाचार'' ''सरकारी ठेके लेकर लगा दिया लाखों का चूना'' ''जल्दी ही पढ़े इन नेताजी की कहानियां'' समाचार लिंग के साथ उक्त पोस्ट अन्य पत्रकार की लिखी, आनंद सोलंकी ने कुछ स्थानीय सोशल मीडिया पर वायरल की। जिस पर स्थानीय सट्टेबाज एवं अवैध धंधेबाजों ने आनंद सिंह सोलंकी को इस बात से टारगेट बनाया कि पूर्व में माही की गूंज में भ्रष्टाचार व अनियमितताओं के साथ स्थानीय नेताओं की जुगलबंदी के समाचार प्रकाशित हुए। जिससे प्रभावित होकर आगे अन्य समाचार प्रकाशित इनकी अनियमितताओं के न हो कि नियत से समाज की आड़ लेकर व उकसाकर राजनीति रच, षड़यंत्र के साथ अवैध धंधेबाजो एवं सट्टा संचालकों ने ऐसा माहौल बनाया कि, सिर्वी समाज के विरुद्ध समाचार लिखने वालों को नहीं छोड़ेंगे।

वही षड़यंत्र के साथ समाचार प्रकाशित करने वाले कल्याणपुरा के पत्रकार को फोन लगाया और बातों में उलझाकर इधर-उधर की बात कर पूछा गया कि, यह समाचार आनंद सोलंकी ने दिया क्या...? जिस पर विवाद से बचने के लिए कल्याणपुरा के पत्रकार ने अपने नादानी के साथ कह दिया, हां। जिसके बाद धार्मिक प्रवृत्ति वाले समाज के नाम को और गांव की फिजा को बिगाड़ने के लिए उस हां को उक्त समाचार आनंद सोलंकी ने ही प्रकाशित किया प्रदर्शित कर षड़यंत्र रचा और समाज की आड़ लेकर अपनी गुंडागर्दी का परिचय देकर कुछ असामाजिक तत्वों ने गांव की शांति फिजा को बिगाड़ने के साथ अपने आतंक का परिचय देकर एक भीड़ इकट्ठी कर माब लीचिंग की घटना को अंजाम देकर एक भीड़ के साथ पत्रकार उर्फ गायक आनंद सोलंकी पर जानलेवा हमला कर जुलूस निकाला।

पत्रकार आंनद सोंलकी पर किया हमला

मामले में जब कल्याणपुरा के पत्रकार से जानकारी ली तो बताया, बातों में उलझाकर मुझसे हां करवाई, हमारे पोर्टल लिंक पर जो समाचार प्रकाशित किया था वह आनंद सोलंकी ने नहीं दिया था, वरन हमारे सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर समाचार प्रकाशित किया था। समाचार में किसी भी समाज के सम्बन्ध में विरोधी बात नहीं लिखी गई।

पत्रकार ने हमलावर असामाजिक तत्वों के विरुद्ध की रिपोर्ट दर्ज

हमारा समाज किसी को भी आतंक फेलाने का नहीं कहता है और न ही उक्त मामले में कोई समाज विरोधी बातें हुई। बावजूद समाज की आड़ लेकर जीन असामाजिक तत्वों ने गांव की फिजा को बिगाड़ने का प्रयास किया उनके विरुद्ध आनंद सोलंकी ने झकनावदा चौकी पर रिपोर्ट दर्ज करवाई कि, ''सुबह 10 बजे कुलदीप आचार्य की दुकान पर फोटोकॉपी करवाने के लिए गया था, तभी वहां पर दामोदर पडियार, पप्पू चौधरी, दिपक सिर्वी, उत्तम गेहलोत, आकाश बर्फा, कमलेश पडियार, दीपक चौधरी मोहन लछेटो, के साथ अन्य 10-12 लोग जिन्हें चेहरे से पहचानता है सभी एकमत के साथ षड़यंत्र कर लट्ठ एवं हथियारों से लेस होकर आए और कहा कि, तू हमारे अवैध धंधों के बारे में खबर लगाएगा और हमारे नेता राजेश कासवा के खिलाफ लिखेगा, इसके पहले तेरे को जान से मार देंगे। राजेश कासवा हमारा बाल भी बांका नहीं होने देगा। ये कहते हुए हत्या करने के उद्देश्य से हमला कर दिया और लात-घुस्सो और लट्ठ से मारपीट करने के साथ कमलेश पडियार ने जेब से छुरा निकाला और दिपक सिर्वी ने कहा कि, डाल दे इसके पेट में इसकी कहानी यहीं खत्म करते हैं। मेरे द्वारा शोर मचाने पर रमेश सोलंकी आया और मुझे इन से बचाने का प्रयास किया इस बीच लोग जमा हुए तो, उक्त सभी आरोपियों व हमलावरों ने हथियार अंदर रख कहने लगे, तु हमारे सिर्वी समाज के आयोजन के खिलाफ गलत समाचार लिखता है। कहते हुए मारपीट करते हुए मुझे चौकी तक लाए और अगली बार मिला तो तुझे जान से मार कर फेंक देंगे, अभी भी संभल जा अगर तुने कोई रिपोर्ट वगैरा भी की तो हम सब अवैध धंधे करने वाले लोग हैं और हमारे ऊपर सांसद प्रतिनिधि राजेश कासवा का हाथ है, आगे से देख लेना तुझे तेरी पत्नी और तेरी बच्ची सहित जिंदा मकान सहित जला देंगे। तेरी पत्नी के साथ ऐसाकार्य करेंगे कि तू कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगा।'' की रिपोर्ट के साथ आनंद सोलंकी ने उक्त गांव की फिजा को बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्व के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

पत्रकार संघ की 4 सदस्यी टीम पहुंची झकनावदा

जिला पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष राजेश सोनी, संजय भटेवरा, राकेश गेहलोत व जितेश भाटी मामले में झकनावदा चौकी पहुंचे जिसके बाद हुड़दंग मचाने वाले तथा समाज की आड़ लेकर गांव की फिजा को बिगाड़ने वाले कुछ हमलावर चौकी पर आए और हमारे समक्ष भी पुलिस की उपस्थिति में आनंद सोलंकी को धमकाते हुए कहा कि, अभी भी नहीं संभला तो आगे और तेरा बुरा हाल करेंगे। यहां तक की चौकी में बन्दुक से उडादेने तक की धमकी के साथ चौकी में रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाने का प्रयास किया गया। उक्त हुड़दंगियों का कारनामा पुलिस चौकी में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो चुके हैं। संजय भटेवरा ने समाज की आड़ लेने वाले हुडदंगियों को साफ शब्दों में कहा कि, हमारा समाज किसी को आतंक फैलाने का नहीं कहता है, अगर किसी ने कोई गलत कार्य किया हो तो भी किसी को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है, कानून व्यवस्था बनी हुई है आपको पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करवानी थी अगर किसी ने तुम्हारे खिलाफ गलत किया हो तो।

सांसद प्रतिनिधि ने घटना की निंदा

सांसद प्रतिनिधि एवं स्थानीय निवासी राजेश कासवा ने स्पष्ट रूप से कहा कि, इस घटना में मेरा हाथ कहीं भी नहीं है, मैं उक्त घटना की निंदा करता हूं। किसी को लगा था कि, पत्रकार ने गलत किया है तो उसकी रिपोर्ट पुलिस में दर्ज करवानी थी, कानून को हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं है। उक्त घटना से गांव व क्षेत्र की प्रतिष्ठा धुमिल हुई है। मेरा नाम झूठा लेकर जिस-जिसने भी पत्रकार पर हमला किया है उसके विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए।

रविदास जंयती पर निकाली शोभायात्रा

माही की गूंज, थांदला। रविदास समाज द्वारा रविदास जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई शोभायात्रा में समाज के युवक-युवतियो गरबा रास करते हुए नजर आए जानकारी देते हुए समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि राम जानकी रविदास जी मंदिर से संत शिरोमणि रविदास जी की भव्य शोभायात्रा बैंड बाजे ढोल के साथ संत रविदास जी के चित्र का आकर्षक श्रंगार कर सजाया गया शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई पुन मंदिर पहुंची जहां महाआरती कर मां प्रसादी का आयोजन किया गया यात्रा में नगर के गणमान्य नागरिक राजनीतिक पदाधिकारी और समाज जन शामिल हुए।

पुल की रेलिंग से टकराकर बाइक पर सवार दो जख्मी

माही की गूंज, खवासा। समीप्रस्त ग्राम भामल में बाइक पर सवार पप्पु पिता सोकु डामर (30) व जसफ पिता मूलचंद डामर (28) निवासी परवाडा, पुल की रेलिंग से बाईक के साथ जा टकराए और दुर्घटनाग्रस्त हो गए। दुर्घटना मे दोनो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। सुचना मिलने पर मौके पर पहुची पुलिस ने 108 की मदद से दोनों घायलों को अस्पताल रवाना किया।

संत श्री रविदास जयंती पर झाबुआ में निकाला गया भव्य चल समारोह

माही की गूंज, झाबुआ। संत श्री रविदासजी की जयंती पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संत श्री रविदास समिति रातीतलाई झाबुआ की ओर से शहर में भव्य चल समारोह निकाला गया। चल समारोह शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गोपाल कॉलोनी स्थित मंगल भवन पहुंचने पर यहां कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें वक्ताओं ने राष्ट्रीय संत के जीवन पर प्रकाश डाला। अंत में सभी के लिए (भंडारा) प्रसादी भी रखी गई।

जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक महेश परमार ने बताया कि यह शोभायात्रा रातीतलाई स्कूल से आरंभ हुई। जिसमें आगे केसरिया ध्वज लेकर युवक चले। इसके पीछे डीजे पर प्रस्तुत धार्मिक गीतों और भजनों पर महिलाओं और बालिकाओं ने जमकर नृत्य किया तथा गरबे खेले। डीजे के पीछे महिला वर्ग शामिल हुआ और इसके पीछे पुरूषों ने सम्मिलित होकर पूरे शहर में ध्वज लहराए गए। डीजे से भी पूरा शहर गूंजायमान हुआ। महिला द्वारा लाल साड़ी में एवं पुरूषों नें सफेद कुर्ता-पजामा में भाग लेकर श्री रविदासजी के जयकारे लगाए। विशेष रथ पर संत श्री रविदासजी की तस्वीर विराजमान रहीं। यह चल समारोह शहर के गोपाल कॉलोनी, राजगढ़ नाका, डीआरपी लाईन तिराहा, हाईवे मार्ग, विजय स्तंभ तिराहा, जिला चिकित्सालय, बस स्टेंड फव्वारा चौक, मुख्य बाजार, राजवाड़ा, नेहरू मार्ग, ऑफिसर्स कॉलोनी, रातीतलाई क्षेत्र होते हुए मंगल भवन पहुंचा।

दसवीं में 12,635 व बारहवीं में 7,515 परीक्षार्थियों की रहेगी सहभागिता

माही की गूंज, झाबुआ।

दसवीं बारहवीं बोर्ड परीक्षा दो वर्ष के अंतराल पश्चात कोराना काल के बाद पहली बार शुरू हो रही। इस बार परीक्षा फरवरी के एक पखवाड़े बाद ही शुरू होने से बालकों-पालको व शिक्षकों के लिए थोड़ी चिंता की लकीरें बयां कर रही है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के आला अफसर सहित जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग के अधिकारी बताते हैं, तनावपूर्ण नहीं तनावमुक्त रहने की परीक्षा हेतु पालकों व बालकों को भी टिप्स दे रहे हैं।

हेल्प लाइन भी है

निःशुल्क परीक्षा प्रश्न बैको का वितरण व बोर्ड ने कुछ कोर्स भी कम किया है। तथा परीक्षा पेटर्न में अस्सी में से तीस अंकों के वैकल्पिक प्रश्न का बदलाव किया है। किन्तु जिले में जनजातीय विभाग के हवाले चरमराई शिक्षा संचालन व्यवस्था, कम समय स्कूल का खुलने, बच्चों का पलायन, सीबीएसई पैटर्न स्कूलों में व्याख्याता विषय शिक्षकों का अभाव, नाम मात्र रेमेडियल क्लास लगना। शिक्षकों का वैक्सिनेशन में व्यस्त रहने से न कोर्स पूर्ण न प्री-बोर्ड परीक्षा, इससे परिणाम बिगड़ने का डर भी सता रहा है। जनजातीय विभाग के सहायक आयुक्त प्रशान्त आर्य इन अव्यवस्था से इन्कार करते हूए कहते हैं, कुछ शिक्षक चयन प्रकिया से आने व अतिथि शिक्षकों की विषय वार नियुक्ति से शिक्षण कार्य पूर्ण हुआ। वैक्सीनेशन भी बेहतर रहा। परीक्षा विद्यार्थी तनावमुक्त माहोल में दे।

जिला शिक्षा अधिकारी ओपी बरडे बताते हैं, परीक्षा निर्धारित समय चक्र अनुसार होंगी। 49प्परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक समन्वय संस्था उत्कृष्ट विद्यालय झाबुआ के प्राचार्य अनुसार सभी केंद्रों के परीक्षा प्रभारियों, केंद्राध्यक्ष को सामग्री वितरित की गई है। ज़िले में कुल नौ रूट बनाए गये हैं जिसमें नौ बडे स्कूली वाहनों से परीक्षा दल रवाना किए हैं। दसवीं में इस बार ग्यारह हजार छः सौ छयोतर नियमित व नौ सौ उनपनचास प्रायवेट व बारहवीं में छः हजार छः सौ उन्तालीस नियमित तथा आठसो छियतर प्रायवेट परीक्षार्थि रहेंगे। सबसे बड़ा परीक्षा केन्द्र थांदला बालक हैं यहां दौनौ परीक्षा में मिलाकर 878 परिक्षार्थियों का जमावड़ा रहेगा तों सबसे छौटा परीक्षा केन्द्र समोई है यहां कूल डेढ़ सौ बच्चे दसवीं बारहवीं सहित परीक्षा देंगे।

राजवाड़ा पर फूंका तमिलनाडू के मुख्यमंत्री का पुतला

माही की गूंज, झाबुआ।

तमिलनाडू राज्य की निजी स्कूल में कक्षा 10वीं में पढ़ने वाली छात्रा लावन्या के साथ धर्म परिवर्तन करवाने को लेकर बाध्य करने और ज्यादती करने से पीड़िता द्वारा आत्महत्या करने के मामले में छात्र-छात्राओं के हित में सदैव तत्पर रहने वाले संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् द्वारा, संपूर्ण देश में इस घटना को लेकर उग्र विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। साथ ही इस मामले में उच्च स्तरीय जांच कर पीड़िता को माननीय न्यायालय के माध्यम से न्याय दिलवाने की मांग भी की जा रहीं है। इसी बीच तमिलनाडू में इस घटना का कड़ा विरोध कर रहीं अभाविप की राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी एवं उनके साथ अन्य करीब 33 कार्यकर्ताओं को वहां की कम्यूनिस्ट पार्टी की सरकार द्वारा पुलिस प्रशासन को आदेश जारी करवाकर गिरफ्तार करवाने से भी अभाविप द्वारा संपूर्ण देश में उग्र आंदोलन किया जा रहा है।

इसी क्रम में अभाविप के भारत स्तरीय आव्हान पर जिला मुख्यालय झाबुआ पर भी संगठन द्वारा तमिलनाडू में हुए उक्त दोनो घटनाक्रम के विरोध स्वरूप शहर में रैली निकाली गई। सर्वप्रथम एबीवीपी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता स्थानीय नेहरू मार्ग स्थित प्राचीन श्री दक्षिण मुखी महाकालिका माता मंदिर पर एकत्रित हुए। यहां बड़ी संख्या में अभाविप के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं के साथ छात्रों विशेषकर छात्राओं ने भी सम्मिलित होकर तमिलनाडू में लावन्या के साथ हुई घटना के प्रति अपना तीव्र आक्रोश व्यक्त किया। बाद यहां से दोपहर करीब 1 बजे से ''लावन्या को न्याय दो, जस्टिस ऑफ लावन्या और तमिलनाडू सरकार हाय-हाय'' के नारों से लिखी तख्तीयां लेकर अपने हाथों में अभाविप कार्यकर्ता और छात्राएं चली।

लावन्या के साथ हुई घटना अशोभनीय एवं निंदनीय

राजवाड़ा पर सभा का आयोजन हुआ। जिसमें वक्ता के रूप में संगठन की प्रदेश सह-मंत्री मोनिका पाटीदार ने कहा कि तमिलनाडू में स्कूली छात्र-छात्राओं को धर्म परिवर्तन करवाने का काम जोर-शोर से चल रहा है। यह इसका जीता जागता उदाहरण है। अब ऐसे कृत्य बर्दाश्त नही किए जाएंगे। इंदौर महानगर से आई मंगला टेकाम में कहा कि लावान्या के साथ हुई घटना अत्यंत ही अशोभनीय एवं निंदनीय है। तमिलनाडू सरकार के मुख्यमंत्री को नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। प्रदेश छात्रा प्रमुख राधिका सिकरवार ने कहा कि अभाविप इस तरह की घटनाओं को कतई बर्दाश्त नही करेगा और पूरे देश में तब तक इसका विरोध करता रहेगा, जब तक लावन्या को जस्टिस नहीं मिल जाता है। प्रदेश पदाधिकारी बलमा खराड़ी एवं प्रदेश सह-मंत्री दर्शन कहार ने मांग की कि तमिलनाडू पुलिस इस घटनाक्रम का विरोध करने वाली अभाविप की राष्ट्रीय सह-मंत्री निधि त्रिपाठी एवं अन्य सभी कार्यकर्ताओं को तत्काल रिहा करे, नहीं तो परिषद् अब आर-पार की लड़ाई लड़ेगा। सभा का संचालन अभाविप के नगर पदाधिकारी आशु जैन ने किया।

तमिलनाडू के मुख्यमंत्री का फूंका पुतला

बाद तमिलनाडू सरकार हाय-हाय, जस्टिस फॉर लावन्या के जमकर नारो के बीच अभाविप द्वारा राजवाड़ा पर तमिलनाडू के मुख्यमंत्री का पुतला भी जलाया गया। तत्पश्चात् स्थानीय गोपाल कॉलोनी स्थित अभाविप के जिला कार्यालय पर उक्त प्रदेश से आई पदाधिकारियें ने संक्षिप्त चर्चा में बताया कि आज पूरे देश में ही लावन्या घटनाक्रम में विरोध प्रकट किया जा रहा है और यह विरोध तब तक जारी रहेगा, जब तक देश की बेटी को न्याय नहीं मिल जाता और तमिलनाडू में अभाविप के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं की रिहाई नहीं हो जाती है।

मोबोलाइजर भर्ती के लिए परेशान अभ्यर्थी, जिले से मिल चुके हैं प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश

दस्तावेजों की पुनः जांच के बाद कि जाएगी भर्ती -सीईओ अमित व्यास

माही की गूंज , पेटलावद। राकेश गेहलोत

पैसा एक्ट के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में होने वाली मोबोलाइजर पद की भर्ती प्रक्रिया न्यायालय में स्टे के बाद से रुकी पड़ी थी जिससे पद के लिए आवेंदन करने वाले अभ्यर्थियों में निराशा थी। गत दिनों न्यायालय द्वारा स्टे का निराकरण कर दिया गया, जिसके बाद से जिले में मोबोलाइजर भर्ती की प्रक्रिया वही से शुरु हुई जहॉ पर रोकी गई थी। कार्यालय जिला पंचायत झाबुआ द्वारा सभी विकास खण्डों के मुख्य कार्यपालन अधिकारीयो को रुकी प्रक्रिया को शुरू करने के निर्देश जारी किए हैं। जिले से निर्देश के बाद कुछ विकास खण्डों में मोबोलाइजर पद की भर्ती हो गई है लेकिन पेटलावद विकास खण्ड में भर्ती प्रक्रिया शुरू नही हुई है। जिससे पद के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर जारी सूची के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र नही मिल पाया है, अब चयनित अभ्यर्थि द्वारा जनपद पेटलावद के चक्कर लगा कर नियुक्ति आदेश ग्राम पंचायत से जारी करवाने की मांग कर रहे हैं।

इस सबंध में चयनित अभ्यर्थियों ने एसडीएम पेटलावद और मुख्य कार्यपालन अधिकारी पेटलावद को आवेंदन देकर जल्द नियुक्ति देने की मांग की है और साथ मे अन्य जिलों में नियुक्ति के बाद मोबोलाइजर को प्रशिक्षण के लिए बुलाये जाने के दस्तावेज दिए हैं। चयनित अभ्यर्थियों का कहना है कि, जिले, अन्य विकास खण्ड और कई जिलो में प्रक्रिया पूर्ण होकर भर्ती हो चुकी हैं जबकि पेटलावद विकास खण्ड में हम परेशान हो रहे हैं।

आवेदनों की दोबारा जांच करने की प्रक्रिया जारी- सीईओ अमित व्यास

मोबोलाइजर भर्ती प्रक्रिया को लेकर जनपद पेटलावद के सीईओ अमित व्यास से चर्चा की तो उनका कहना है कि, फिलहाल जिले से किसी प्रकार की भर्ती के आदेश जारी नही हुए है और स्टे से पूर्व जहॉ प्रक्रिया रुकी थी वही से प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश मिले हैं। पेटलावद जनपद में प्रक्रिया आवेदन के बाद से रुकी हुई हैं जब में यहां नही था, अब मेरे द्वारा शासन के नियमानुसार एक बार फिर से आवेंदनो और उसके साथ संलग्न दस्तावेजों की जांच करने का कार्य शुरू हो चुका है, कई मामलों में आपत्तियां लगी हुई है जिनका निराकरण होना शेष है उनका भी निराकरण किया जाना है ।

भारी फर्जीवाड़े के साथ जमा हुए है आवेंदन , गूंज में किया जा चुका है खुलासा

गत वर्ष शुरू हुई ग्राम पंचायतों में मोबोलाइजर भर्ती की प्रक्रिया में भारी फर्जीवाड़े के साथ आवेंदन जमा किये गए थे, कई आवेदकों ने मय प्रमाण के आपत्ति दर्ज कराई थी जिसका खुलासा माही की गूंज द्वारा किया गया था। लेकिन पूर्व सीईओ एनएस चौहान द्वारा कई मामलों में लेन-देंन कर आपत्तियो को नजरअंदाज किया था। राजनीतिक दबाव के कारण कई पंचायतो में सरपंच, मंत्री और रोजगार सहायकों के रिश्तेदारों को प्राथमिकता भी दी गई थी, हालांकि भर्ती प्रक्रिया पर लगी रोक के बाद नए सीईओ ने नए सिरे से जांच करने का बोल कर बडी हेराफेरी के खुलासे के अवसर बना दिये हैं ।

भर्ती प्रक्रिया को शुरु करने की मांग को लेकर जनपद के चक्कर लगाते चयनिय अभ्यर्थी।

अनुभव प्रमाण पत्र और अंक सूची में हुई बड़ी हेराफेरी, पाँच हजार में जारी कर दिये प्रमाण पत्र

मोबोलाइजर भर्ती के लिए मांगे गए आवश्यक दस्तावेजों में भारी गड़बड़ी कर कई आवेदकों ने आवेंदन जमा किये हैं तो कई जगहों पर सही दस्तावेजो को अमान्य कर योग्य उम्मीदवार को बाहर कर दिया गया। सबसे बड़ी हेराफेरी अनुभव प्रमाण पत्र में की गई जो कि, विकास खंण्ड में संचालित राष्ट्रीय आजीविका मिशन (एनआरएलएम) द्वारा थोक बन्द अनुभव प्रमाण पत्र बाटे गए, जिन्होंने कभी कोई कार्य नही किया न ही इनका कोई रिकॉर्ड इनके पास है, इस प्रकार जनपद से भी कई लोगो को बिना किसी कार्य किये प्रमाण पत्र जारी किए हैं। बताया जा रहा है पाँच हजार रुपये लेकर फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र दिए गए है, कई मामलों में आपत्ति तक दर्ज करवाई गई हैं। कुछ ऐसा ही अंक सूची और कम्प्यूटर डिप्लोमा लगाए गए, जो आवेदक स्थानीय परीक्षाओं में मामूली नम्बरों से उत्तीर्ण हुए या फेल हुए वो अन्य राज्यों की 90 प्रतिशत से अधिक अंकों की अंक सूची के आधार पर अधिक नम्बर लेने में सफल हो गए। कई मामलो में तो अभ्यर्थियों द्वारा दी गई अंक सूची एक ही वर्ष की नियमित छात्र के रूप में है ऐसी कई हेरा फेरी मोबोलाइजर भर्ती में की गई हैं जिसकी जांच होती है तो हेराफेरी का बड़ा खुलासा होगा ।

सुने मकान को चोरों ने बनाया निशाना , नगदी सहित सोने-चांदी की रकम पर हाथ साफ

माही की गूंज, रायपुरिया।

ग्राम के तलावपाड़ा मेंन रोड़ पर स्थित चिमनलाल भटेवरा के मकान में लाखो की चोरी का मामला सामने आया है। चिमनलाल भटेवरा के अनुसार वो 12 फरवरी को दोपहर में एक गमी के कार्यक्रम के लिए नीमच रवाना हुए थे। वहां से मंगलवार सुबह लौटेने के डेढ़ घंटे बाद उनकी नजर घर के पुजा स्थान के समीप तेल निकालने वाली मशीन पर पड़ी, तब उन्हें वहां तिजोरी की चाबियां अस्त व्यस्त पड़ी मिली। जिसके बाद उन्होंने तिजोरी ओर अलमारी के द्राज में रखी रकम व नगदी डेढ़ लाख नही होना पाया। उसके बाद उन्होंने पूरे घर को देखा तो ऊपर चढ़ाव के दरवाजे का एक हिस्सा टूटा हुआ मिला वहां लगे ताले को दरवाजे के पीछे ही टंगी चाबी से अज्ञात चोरो द्वारा खोला गया। उन्होने बताया कि, तिजोरी में नगद डेढ़ लाख तथा सोने की चेन, तीन अंगूठीया, चांदी का कंदोरा जिनकी कीमत डेढ़ लाख है, कुल नगदी सहित 3 लाख रुपए के लगभग की यह चोरी की घटना हुई है। वारदात की सूचना पीडित द्वारा रायपुरिया पुलिस को दी गई है ।

आजाद शिक्षक संघ ने दिया ज्ञापन

माही की गूंज, मेघनगर।

थांदला और मेघनगर विधानसभा क्षेत्र के शिक्षको ओर शिक्षिकाओ ने आज़ाद अध्यापक शिक्षक संघ के बैनर तले अपनी विभिन्न माँगो को लेकर विधायक वीरसिंह भूरिया को माननीय मुख्यमंत्री जी के नाम ज्ञापन सोपा। पेंशन और महँगाई भत्ते सहित 11 माँगो का माँग पत्र विधायक भूरिया को दिया गया। विधायक ने शिक्षको को आश्वाशन दिया कि, आपकी मांगे माननीय मुख्यमंत्री जी तक जरूर पहुंचाएंगे ओर सभी समस्याओं का हल जल्द से जल्द करवाने में पूरा सहयोग देंगें। इस अवसर पर आज़ाद अध्यापक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष बजरंग सिंह नलवाया, प्रदेश संगठन मंत्री जवानसिंह बरिया, जिला उपाध्यक्ष करणसिंह खोकर, जिला महिला प्रकोष्ठ अधयक्ष श्रीमती संगीता मखोड़, कांजु डामोर, संगीता अनारे, मधु कटारा आदि उपस्थित थे।

जोहार ब्लास्टर के तत्वावधान में प्रथम ओपन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 20 फरवरी से

माही की गूंज, करवड़ ।

इन दिनों क्षेत्र में क्रिकेट का बुखार चरम पर है और विकास खण्ड में एक बाद एक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है कही प्रीमियम लीग तो कही ओपन टूर्नामेंट की धूम मची हुई है । स्थानीय खिलाड़ियों के बीच हुए करवड़ प्रीमियम लीग के बाद 20 फरवरी से स्थानीय आज़ाद स्टेडियम में जोहार ब्लास्टर के तत्वावधान में प्रथम ओपन टेनिस बोल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में जिले सहित प्रदेश और आसपास के राज्य की टीमें भी हिस्सा लेगी जिसमे विजेता उपविजेता सहित अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरुष्कार दिए जाएंगे। टूर्नामेंट की विजेता टीम को 51 हजार का नगद पुरुष्कार और ट्राफी विधायक प्रतिनिधि ठाकुर शैलेन्द्र सिंह राठौर की और से, उपविजेता को 25 हजार एवं ट्राफी पूर्व सरपंच विकास गामड़ की और दी जाएगी साथ ही पूरी प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को 3100 रुपये स्व.राधेश्याम पाटीदार की स्मृति में, प्रत्येक मैच में 151 रुपये नगद आर के एंड कम्पनी की और से, फाइनल मैच में मैन ऑफ दी मैच रहने वाले खिलाड़ी को 2100 बीएस गामड़ इंजीनियर की और से, बेस्ट बल्लेबाज 1111 शिव ट्रेंड्स की और से, बेस्ट कैच के लिए 1111 राज़ श्री ऑटो पार्ट्स की और से बेस्ट फील्डर को 1111 स्व. मुकेश पाटीदार की स्मृति ,बेस्ट बॉलर के लिए 1111 माही की गूंज की और से और बेस्ट हूटर को 666 रुपये का इनाम के पी मोबाइल झोंन कि और से दिया जाएंगे ,प्रतियोगिता में अन्य कई पुरस्कारो की घोषणा की गई है । आयोजक समिति के सदस्य सचिन गामड़ ने बताया कि, मैच देखने के लिए आने वाले दर्शकों के लिए भी इनाम रखे गए हैं।

ग्राम पंचायत में सन्त रविदास जयंती मनाई गई

माही की गूंज, बामनिया/खवासा।

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार अनुसूचित जाति कल्याण विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार ग्राम खवासा, बामनिया में सन्त शिरोमणि रविदास जयंती मनाई गई। इस अवसर ग्राम खवासा मे बैंडबाजो के साथ पुरे नगर मे भम्रण कर संत शिरोमणि रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित करवा गया एवं पूजा अर्चना करवाई गई। इस अवसर पर सतगुरु रविदास जी जीवन पर समाज के प्रभुत्व जनो ने प्रकाश डालते हुए बताया कि, संत रविदास जी भारत के उन विशेष महापुरुषों में से एक हैं जिन्होंने अपने आध्यात्मिक वचनों से सारे संसार को आत्मज्ञान, एकता, भाईचारा पर जोर दिया। जगतगुरु रविदास जी की अनूपम महिमा को देख कई राजा और रानियाँ इनकी शरण में आकर भक्ति मार्ग से जुड़े। जीवन भर समाज में फैली कुरीति जैसे जात-पात के अन्त के लिए काम किया।

नदियों का अस्तित्व खतरे में

माही की गूंज, पारा।

गांव की नदियों की हालत दिन पर दिन बत्तर होती जा रही है। नदियों में मिट्टी का भराव होने से नदियों ने नालों का रूप ले लिया, ईट-भट्ठा व्यवसाई अपनी भट्टी नदी के बाहर न लगाते हुए नदीयो के अंदर ही भट्टी तैयार कर ईट पका लेते हैं। नवापाड़ा नदी की तस्वीरें हकीकत बयां करती है, इसमें साफ दिखाई दे रहा है कि नदी के बीचो-बीच मिट्टी का कितना भराव हो गया है। ईट भट्ठा व्यवसायी भट्टी पकाने के बाद भट्टी का जला मटेरियल नदी के अंदर ही डाल देते हैं। बारिश के पूर्व नदियों का उत्खनन बहुत जरूरी है ताकि नदियों में पानी भरा रहे व जमीन में भी रिसाव होता रहे। अगर खनन नहीं होकर यही हाल रहे तो जमीन व नदी के लेवल में कोई फर्क नहीं रहेगा।

एक और नए पेट्रोल पंप का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, खवासा।

खवासा के थांदला मार्ग पर पूर्व से दो पेट्रोल पंप के साथ बुधवार को एक ओर नए पेट्रोल पंप मैण ब्रदर्स फ्यूल का शुभारंभ झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया, थांदला विधायक वीरसिंह भूरिया व थांदला जनपद अध्यक्ष गेंदालाल डामोर के कर कमलों से किया गया ।

उक्त शुभारंभ अवसर पर ग्राम के प्रधान रमेश बारिया के साथ कई गणमान्य नागरिग उपस्थित थे। पम्प संचालक नंदलाल मेण, बाबूलाल मेण ने बताया कि, ग्राम में 24 घंटे डीजल - पेट्रोल की सुविधा उपलब्ध होगी, तथा जल्द ही सीएनजी गेस की सुविधा भी पम्प पर शुरू की जाएगी।

थांदला-लिमड़ी मार्ग की दशा हो गई बेहाल

माही की गूंज, थांदला।

गुजरात, राजस्थान की सीमा में बसा थांदला नगर कई मायनों में विशेष माना जाता रहा है। इस क्षेत्र के विकास के लिए सरकार काफी योजनाए मंजूर कर भेजती रही है। फिर भी सही मायने में इस क्षेत्र के हालात जस के तस बने हुए है। कई गाँवो में आज भी स्ट्रीट लाइट का अभाव बना हुआ है। तो कई गाँवो में शुद्ध पेयजल का संकट बना रहता है। जर्जर सड़के आम जनों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। जिसमे थांदला-लिमडी मार्ग हादसों की सड़क बन चुकी है। कुछ सालों पहले बनी इस सड़क पर एक टोल भी वसूला जा रहा है। जो सिर्फ अपना पैसा वसूली का काम करता है। इस सड़क की देखभाल से गंगोत्री नामक कम्पनी को कोई लेना-देना नही...?

थांदला-लिमडी सड़क की दुर्दशा के बारे में सत्ता पक्ष के सांसद गुमानसिंग डामोर विपक्ष से विधायक विरसिंग भूरिया और प्रशासन से जिले के राजा (कलेक्टर) सोमेश मिश्रा भी गंगोत्री टोल वे कम्पनी के जिम्मदारो से सड़क का मेंटेनेंस करवाने में नाकारा ही साबित हुए है। आमजन अब कहने लगे है कि, थांदला-लिमडी सड़क को बड़ी दुर्घटना के बाद राजनीति करने के लिए छोड़ा गया है।

सड़क मे बड़े-बड़े गड्डो के लिए काफी हद तक जीआर इंफ्रा कम्पनी भी जिम्मेदार

दिल्ली-मुम्बई नेशनल हाइवे (8 लेन) जो इस क्षेत्र के लिए वरदान सा है। इस क्षेत्र से गुजरने वाले हिस्से का निर्माण कर रही जीआर इंफ्रा कम्पनी ने निर्माण साम्रगी, मशीनों को पहुचाने में कई हरे-भरे पेड़ो की बलि ले ली तो भारी भरकम मशीनें, ओवरलोट साम्रगी से भरे ट्रकों-ट्रालो ने थांदला-लिमडी मार्ग को काफी नुकसान पहुचाया है। इसी सड़क से जुड़े परवलिया, काकनवानी, हरिनगर, बालवासा सहित कई गाँवो में सांसद, विधायक योजनाओं के कार्यो के भूमि पूजन, लोकार्पण कार्यक्रमो में शामिल होने जाते है। तो जिला कलेक्टर भी इस सड़क से शासन की योजनाओं की जानकारी देने व समीक्षा करने जाते रहे है।

फिर भी थांदला-लिमडी सड़क इस क्षेत्र के ग्रामीणों, अन्य राज्यो के मुसाफिरों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है, इस सड़क की सुध लेने के लिए अब हर कोई यही कह रहा है कि, थांदला-लिमडी सड़क पर कृपा-दृष्टि कर दो सरकार।

दुर्घटना को न्यौता देती रेलिंग विहिन पुलिया

स्थानीय बस स्टैण्ड के नीचे झाबुआ रोड पर बना जान लेवा नाला

माही की गूंज, पारा। गजेन्द्र चौहान

लोकनिर्माण विभाग ने ठेकेदारों द्वारा नाले पर पुलिया का निर्माण कर पुलिया तो बना दिया, मगर शायद पुलिया पर रेलिंग लगाना भुल गए। नाले का निर्माण हुआ कोई नई बात नही पर पुलिया बने वर्षो हो गए परन्तु रेलिंग नही लगाई। लगता है विभाग वालो को किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार है। रेलिंग विहीन पुलिया दुर्घटना को न्योता दे रही हैं। पुलिया पर होकर रात-दिन हजारों वाहनों की आवाजाही लगी रहती हैं। वही पुलिया के दोनों तरफ खुदे नाले के गड्डे जो कि, 20 फीट से अधिक गहरे है जो दुर से दिखाई भी नही देते है तथा रेलिंग नही होने के कारण अक्सर दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। लेकिन जवाबदार अधिकारी इस और ध्यान नही दे रहे है नतिजन बडी दुर्घटना हो जाने के बाद क्या प्रशासन जागेगा कि बात चर्चा मे जोरो से चल रही है।

संपादकीय

सबसे बड़ी धोखाधड़ी

कुछ वर्ष पूर्व चौदह हजार करोड़ के पीएनबी घोटाले ने देश के वित्तीय क्षेत्र में सनसनी मचा दी थी। इसके चार वर्ष बाद एक बड़ा घोटाला सुर्खियों में आया है। कहा जा रहा है कि, यह देश के बैंकिंग इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला है। स्टेट बैंक की शिकायत के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो ने गुजरात स्थित एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड तथा उसके निदेशकों के विरुद्ध बैंकों के एक समूह के साथ 22 हजार 842 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया है। जैसा कि अपेक्षित था, इस मुद्दे पर देश में राजनीतिक हमले मुखर हो गए हैं साथ ही आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला भी तेज हो गया है। एक ओर कांग्रेस आरोप लगा रही है कि, कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने में देरी की गई। जबकि भारतीय स्टेट बैंक तथा नियंत्रक और महालेखा परीक्षक यानी कैग ने वर्षों पूर्व इन अनियमित्ताओं को उजागर कर दिया था। वहीं सत्ताधारी भाजपा का आरोप है कि, कांग्रेस नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की केंद्र सरकार के दौरान ही यह फर्म सार्वजनिक क्षेत्र के कई बैंकों से हजारों करोड़ रुपए के ऋण लेने में सफल हुई थी।

बहरहाल, केंद्र तथा गुजरात में एक के बाद एक आने वाली विभिन्न सरकारें एबीजी को इतने लंबे समय तक खुली छूट देने की जवाबदेही से खुद को बचा नहीं सकतीं। उल्लेखनीय है कि, जुलाई 2014 में राज्य विधानसभा में प्रस्तुत की गई एक रिपोर्ट में कैग ने राज्य सरकार द्वारा संचालित गुजरात मैरीटाइम बोर्ड को एबीजी की जहाज निर्माण सुविधा के संचालन को निलंबित करने के लिए कोई कार्रवाई न करने के लिए फटकार लगाई थी। दरअसल, कंपनी को आवंटित पट्टे के किराए का भुगतान वसूलने में राज्य सरकार विफल रही थी। कंपनी को बार-बार चेताने के बावजूद अपेक्षाकृत छोटी राशि महज 2.1 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं किया गया था। दरअसल, गुजरात मैरीटाइम बोर्ड ने वर्ष 2006 में भरूच जिले में वाटरफ्रंट और निकटवर्ती जमीन का कब्जा एबीजी को दिया था।

इतना ही नहीं, यूपीए कार्यकाल के दौरान एबीजी को जहाजों और इंटरसेप्टर नौकाओं के निर्माण के लिए तटरक्षक बल और नौ सेना से आर्डर प्रदान किए थे। इतनी बड़ी सरकारी परियोजनाओं में एबीजी को मौका मिलने से उसे बाजार में बड़ी पहचान बनाने में मदद मिली, जिसके चलते कंपनी बड़े सार्वजनिक व निजी बैंकों से मोटी रकम उधार लेने में कामयाब हुई। आगे चलकर यह भी जांच का विषय होगा कि, क्या एबीजी ने बड़े अनुबंध हासिल करने के लिए बड़ी रिश्वत का सहारा लिया था। ऐसे में इन सौदों को अमलीजामा पहनाने में तत्कालीन मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की भी जरूरत महसूस की जा रही है। साथ यह भी जांच का विषय होना चाहिए कि, जब कंपनी बैंकों का पहला कर्ज नहीं चुका रही थी तो उसके बावजूद उसे नए ऋण क्यों मिलते रहे। इस मामले में बैंक अधिकारियों के खिलाफ भी जांच और कार्रवाई होनी चाहिए। यदि इस मामले में पारदर्शी जांच और ठोस कार्रवाई नहीं होती तो देश को बड़े भ्रष्टाचार से मुक्त करना महज दूर की कौड़ी बनी रहेगी। इसके लिए जरूरी है कि, देश की जनता के साथ धोखाधड़ी करने वाले आर्थिक अपराधियों और इस कृत्य में मदद करने वाले अधिकारियों व नेताओं को दंडित किया जाए। इससे भविष्य में इस तरह के घोटालों पर रोक लगायी जा सकेगी।

हालांकि, सीबीआई ने एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड के पूर्व सीएमडी, तत्कालीन डायरेक्टरों के खिलाफ केस दर्ज किए हैं। आरोपियों के ठिकानों पर छापामारी करके जरूरी कागजात बरामद किए गए। जरूरी है कि, मामले को तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाए। उन आरोपों की भी जांच की जानी चाहिए, जिनमें कहा गया कि बैंकों से ली गयी मोटी रकम का विदेशों में निवेश किया गया। नि:संदेह, एक के बाद एक घोटाले सामने आना देश के लिए बड़ी चुनौती है। समय रहते धोखाधड़ी करने वाली कंपनी की संपत्ति हासिल करके बैंकों के कंसोर्टियम के कर्ज की ज्यादा से ज्यादा रिकवरी की जाए। ऐसा न हो कि, मामला राजनीति व नौकरशाही के मकड़जाल में फंसकर रह जाए।

किसान के खेत से गुजरेगी आत्मनिर्भरता की राह

ऐसा लगता है कि, प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत बनाने वाले नज़रिए की राह किसान के खेत से होकर गुजरती है। प्रधानमंत्री की देश के लिए अगले 25 वर्षों की दृष्टि, जिसको 'अमृतकाल' कहा गया है, जो कि आज़ादी की 100वीं वर्षगांठ के लक्ष्यों से जुड़ा है, लगता है कि इसमें कृषि को अपेक्षित महत्व नहीं मिला।

वर्ष 2020 में बजट प्रस्तुत करते समय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खेती में जान फूंकने को 16 सूत्रीय कार्ययोजना बताई थी। जहां इसमें किसानों की आय दोगुनी करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया गया था वहीं उनके भाषण का ज्यादा जोर मंडी, उदारीकरण, कृषि-भूमि लीज़ कानून और अनुबंध-खेती पर रहा था, जिसका सीधा मंतव्य कॉर्पोरेट-कृषि व्यवस्था का रास्ता प्रशस्त करना था। बजट के इस अभिभाषण के चंद महीने बाद कृषि और मंडी सुधारों के नाम पर तीन विवादित कृषि कानून लाये गए, जिसका विरोध करने हेतु हजारों किसानों ने दिल्ली की दहलीज़ पर धरना दिया। लगभग साल भर चले किसान आंदोलन ने अंततः सरकार को इन्हें वापस लेने को मजबूर किया।

संयोगवश किसानों का यह अभूतपूर्व धरना उस वक्त चला जो कोविड-19 का सबसे तीव्र प्रकोप वाला काल भी रहा। इस दौरान सख्त लॉकडाउन प्रतिबंधों की वजह से देश की आर्थिक विकास दर सिकुड़कर 2021-22 में 6.6 प्रतिशत रह गई। हताश कर देने वाले इस माहौल में कृषि और इससे संबंधित क्षेत्र की गतिविधियां ही एकमात्र अपनी जगह टिकी रहीं और अर्थव्यवस्था में सबसे चमकता सितारा बनकर उभरीं। वर्ष 2020-21 के वित्तीय सर्वे के मुताबिक, कृषि में 3.6 फीसदी की वृद्धि हुई। इसके बाद आई कोविड महामारी की दूसरी लहर, जो सबसे घातक थी और फिलहाल अपेक्षाकृत कम तीव्रता वाली तीसरी लहर चल रही है। लेकिन तब भी कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों ने एक बार पुनः बढ़िया प्रदर्शन कर दिखाया। 2021-22 में यह पिछले वर्ष के मुकाबले और प्रभावशाली यानी 3.9 प्रतिशत रही।

कृषि क्षेत्र, जो देश का सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता है, उसका हिस्सा राष्ट्र की जीवीए (ग्रॉस वैल्यू एडेड) में 18.8 फीसदी रहा। वित्तीय सर्वे इस प्रदर्शन को किसानों की आय दोगुनी करने वाली कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप बता रहे हैं। इस बात के मद्देनजर कि 2022 वह वर्ष है, जिस तक सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का ध्येय रखा था। इसके अलावा ऐसे समय में जब बाकी सब क्षेत्र पस्त हुए पड़े थे, जिन्हें आर्थिकी का पहिया कहा जाता है, इसके बावजूद कृषि ने असाधारण प्रदर्शन कर दिखाया। ऐसे में उम्मीद तो यह थी कि वित्तमंत्री 2022 के बजट में ऐसी घोषणाएं करतीं, जो न केवल खेती को बढ़ावा देने वाली बल्कि इस सख्त मेहनत के लिए किसानों की पीठ थपथपाने वाली होतीं। किंतु हैरानी की बात है कि इसमें किसानों की आय दोगुनी करने वाले बहुप्रचारित वादे का जिक्र तक नहीं है। आशा थी कि वित्तमंत्री यह बताएंगी कि इस ध्येय प्राप्ति में कितना पा लिया गया है। बाकी के लिए और कितने समय की जरूरत है।

नोबेल पुरस्कार विजेता नॉरमैन बर्लोग ने एक दफा कहा था कि, हमें उसको उत्साहित करने की जरूरत होती है जो सबसे तेज भाग रहा होता है। जब कृषि क्षेत्र ने इतना बढ़िया कर दिखाया है तो कम से कम इतनी उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री-किसान सम्मान निधि योजना की राशि को दोगुना करके कृषक को मिलने वाली सीधी आय बढ़ाते। यह तरीका कृषक की कुछ भरपाई करने और धन्यवाद करने का सबसे आसान उपाय होता। जब से यह योजना वर्ष 2018 से शुरू हुई है, भूमि-मालिक किसान को 6 हजार रुपए प्रति वर्ष मिलते हैं। इसको आसानी से बढ़ाकर 12 हजार रुपए किया जा सकता था और साथ ही भूमिहीन कृषक को भी 6 हजार रुपए दिए जाते, जिन्हें फिलहाल लाभार्थी मूल्य से बाहर रखा हुआ है। जहां इस साल भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के लिए बजट की मद पिछले वर्ष जितनी 68 हजार करोड़ रखी गई है, वे चाहते तो किसानों की सीधी आय से मदद करने को यह एक लाख करोड़ की जा सकती थी।

सिचुएशन एसेस्मेंट सर्वे फॉर एग्रीकल्चर हाउस होल्ड्स की नवीनतम रिपोर्ट-2019 (लॉकडाउन से पहले तक) बताती है कि औसतन कृषि-आय (इसमें गैर-कृषक गतिविधियां भी शामिल हैं) प्रति माह 10 हजार 286 रुपए बैठती है। यदि कुल आमदनी का वर्गीकरण कर विश्लेषण किया जाए तो केवल फसलों से होने वाली आय रोजाना महज 27 रुपए बैठती है। इससे स्पष्ट है कि, देश में कृषि संत्रास क्यों कायम है। इसके पीछे मुख्य वजह उत्पादन में कमी होना नहीं बल्कि किसान की फसल का लगाया जाना वाला मूल्य जान-बूझकर कम रखना है। कृषक का हक बनती कीमत सुनिश्चित करके निशि्चत हो जाएं क्योंकि बाकी वह जानता है कि कौन-सी तकनीक इस्तेमाल करनी है।

सरसों का उदाहरण लें, जहां इस बार का बाजार भाव पिछले साल रखे गए न्यूनतम समर्थन मूल्य 4 हजार 650 (इस वर्ष यह 5 हजार 50 रुपए) से बहुत तेज यानी 7 हजार रुपए प्रति कि्वंटल रहा है, लिहाजा रबी फसल चक्र में अभी तक एक लाख हेक्टेयर रकबे में सरसों की बिजाई होने की खबर है। रोचक कि यह क्षेत्रफल कृषि मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए लगाए अनुमानों से भी ज्यादा है। जाहिर है कि इस साल सरसों का रिकॉर्ड उत्पादन होने जा रहा है। यह प्राप्ति बिना किसी उच्च तकनीक और डिजिटल तंत्र के होगी।

देविंदर शर्मा

यहां महत्वपूर्ण सबक लेने को है कि उचित मूल्य वह सर्वश्रेष्ठ प्रोत्साहन है, जिसकी दरकार किसान को है। लेकिन खाद्य-स्फीति नियंत्रण में रहे, यह सुनिश्चित करने को कृषि उत्पाद मूल्य जान-बूझकर नीचे रखा जाता है। इसका मतलब है कि यह किसान ही है जिसे खाद्यान्न मूल्य कम रखने का असल खमियाजा भुगतना पड़ता है और इसकी भरपाई करने की जरूरत है। इसीलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि कृषि उत्पाद की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम पर न होने पाए। लेकिन बजट-2022 इस बारे में खामोश है।

कृषि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बने इस हेतु सबसे बढ़िया उपाय है खेती को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाना। यह तभी संभव है जब अगले 25 वर्षों के लिए बनाई गई रूप-रेखा में किसान को फसल की यथेष्ट कीमत और मौजूदा कृषि मंडी तंत्र को सुदृढ़ किया जाए। नई तकनीकों की आमद बेशक स्वागतयोग्य है, जिसमें ड्रोन और अगली पीढ़ी की डिजिटल तकनीक का उपयोग भी शामिल है लेकिन भारतीय कृषि, जो कि देश में सबसे बड़ी रोजगार प्रदाता है, का भविष्य अधिक सार्वजनिक निवेश और खेती में लिप्त विशाल मानव बल के लिए सही सार्वजनिक नीतियों पर टिका है। इसका उद्धार कॉर्पोरेट-कृषि व्यवस्था लाकर नहीं होगा। लोगों को कृषि से विमुख करने की बजाय, जैसा कि कुछ अर्थशास्त्री सुझाव देते हैं, 'अमृत-काल' के बड़े पैमाने के सुधारों की प्राप्ति कृषि क्षेत्र और किसानी को सुदृढ़ करके होगी।

पाकिस्तान में बुतपरस्ती क्यों...?

हमारे पड़ौसी देशों की एक बड़ी खूबी है। वह यह कि जब भी वहाँ की सत्तारुढ़ पार्टियाँ और नेताओं को अपनी कुर्सी के लाले पड़ने लगते हैं, उन्हें भारत की याद आ जाती है। भारत ही उन्हें जनता के गुस्से से बचा पाता है। होता यह है कि वे कोई न कोई ऐसा बहाना ढूंढ निकालते हैं, जो उन्हें भारत के विरुद्ध ज़हर उगलने के लिए तैयार कर देता है। यह प्रवृत्ति हम नेपाल, श्रीलंका और मालदीव- जैसे पड़ौसी मित्र-राष्ट्रों में कई बार देख चुके हैं लेकिन पाकिस्तान में तो यह नेताओं का ब्रह्मास्त्र है। अब आजकल इमरान खान बिना किसी कारण ही आए दिन भारत पर आक्रमण करते रहते हैं। कश्मीर की धारा 370 को लेकर कभी इस्लामाबाद और कभी न्यूयार्क में संयुक्तराष्ट्र संघ के मंच पर ऐसे बयान दिए जाते हैं, जैसे कि वह धारा भारत के एक प्रांत से नहीं, पाकिस्तान से ही हटाई गई है। हिजाब के सवाल को लेकर भारत की इस्लामी संस्थाएं और मौलाना वगैरह काफी संजीदा रुख अपनाए हुए हैं लेकिन पाकिस्तान के नेताओं ने भारत पर जबर्दस्त बम-वर्षा की है। उन्हें चाहिए था कि वे पाकिस्तान को जिन्ना के सपनों का एक आदर्श इस्लामी राज्य बना देते और पाकिस्तानी मुसलमानों को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ मुसलमान कहलवा देते लेकिन हुआ क्या? इस्लाम के नाम पर बना दुनिया का यह एक मात्र राष्ट्र अपने आप को डेढ़ हजार साल पुरानी अरबों की बासी परंपराओं में घसीट कर ले जा रहा है। अगर हिजाब इस्लाम का अनिवार्य पहनावा है तो बेनज़ीर भुट्टो को तो मैंने कभी हिजाब या बुर्का पहने हुए नहीं देखा। वे मुझसे दुबई, लंदन, लाहौर और दिल्ली में कई बार मिली हैं।

मियां नवाज़ शरीफ की बेटी मरियम बड़ी-बड़ी जनसभाओं में क्या हिजाब पहनकर भाषण देती हैं? क्या बेनज़ीर और मरियम मुसलमान नहीं हैं? क्या पाकिस्तान की फिल्मों में सारी हिरोइनें हिजाब पहने रहती हैं? पाकिस्तान के नेताओं को हिजाब या बेहिजाब से कोई परेशानी नहीं है। वे तो बस भारत-विरोध का बहाना ढूंढते रहते हैं। वैसे इमरान खान खुद काफी प्रगतिशील मुसलमान हैं लेकिन आजकल उनकी दाल थोड़ी पतली हो रही है। उनकी पार्टी से यदि दो अन्य पार्टियों के 12 सांसदों का समर्थन हट जाए तो 342 सदस्यों की संसद में उनकी सरकार गिर सकती है। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पहले ही बहुत खराब है। अमेरिका उसे कांटे से भी छूने के लिए तैयार नहीं है। इमरान अब चीन के बाद रूस की शरण में जाने को तैयार हैं। पाकिस्तान में श्रीलंका के नागरिक प्रियंतकुमार की तौहीन-कुरान के नाम पर जिस तरह हत्या की गई, पिछले हफ्ते मुश्ताक अहमद नामक विक्षिप्त व्यक्ति को पत्थर मार-मारकर खत्म किया गया और अब एक शिया बुद्धिजीवी पर डंडों की बरसात की गई, उससे यही लगता है कि इमरान-जैसे प्रगतिशील विचारों का नेता भी बिल्कुल बेबस है। बुतपरस्ती (जड़ पूजा) का विरोध करनेवाले इस्लामी देश में यह कैसी बुतपरस्ती चल रही है? आम इंसान का बर्ताव भी बुतों (जड़ या पत्थरों) की तरह हो गया है।

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

सामाजिक समरस्ता के आध्यात्मिक उपासक संत रविदास

सामाजिक समरसता के आध्यात्मिक उपासक संत शिरोमणि रविदासजी का जीवन संघर्षों और चुनौतियों की महागाथा है। जहां उन्हें जन्म से लेकर मृत्यु पर्यंत पग-पग पर प्रताड़ना, यातना, अपमान, तिरस्कार, उपेक्षा और हैय दृष्टि का व्यवहार अनुभूत हुआ। शूद्र होने के कारण विभिन्न प्रकार की सामाजिक आर्थिक और शैक्षणिक निर्योग्यताओं से संघर्ष करते हुए संत रविदास ने मानवीय गरिमा को सही अर्थों में समझा और अस्पृश्य समाज को समझाते हुए कहा कि तुम हिंदू जाति के अभिन्न अंग हो तुम्हें शोषित पीड़ित और दलित जीवन जीने की अपेक्षा मानवाधिकारों के लिए संघर्षरत रहना चाहिए। संत रविदास का जन्म भारत में जिस काल में हुआ उस समय समाज का स्वरूप अत्यंत विक्षुब्ध, अशांत और संघर्षमय था। आतताइयों के आक्रमणों के कारण समाज किंकर्तव्यविमूढ़ स्थिति में था। छोटी-छोटी रियासतों में विभक्त भारतीय रियासतें मिथ्या दंभ और अभिमान में एक दूसरे से युद्ध कर रहीं थीं। जर्जर सामाजिक ढांचा रूढ़ियों, प्रथाओं, अंधविश्वासों, मिथ्या आचरणों, आडंबरों और पाखंडो से सराबोर था। छुआछूत और अस्पृश्यता के अवैज्ञानिक और औचित्यहीन अभिशाप का टीका समाज के माथे पर अदृश्य तथा अमिट स्याही से लगाया गया था। जहां आपसी विभेद, वर्ग भेद, जातिभेद, गैर बराबरी, सामाजिक अन्याय और अंतः संघर्ष की पराकाष्ठा समाज की सेहत को प्रदूषित कर रही थी।

हिंदू समाज के सवर्णों ने समाज के अन्त्यज वर्ग को मानव अधिकारों से वंचित किया। उन्हें पशु से भी बदतर स्थिति में रखा। ऐसी विषम स्थिति में प्रबुद्ध संत समाज द्वारा पुनर्जागरण का सजीव आंदोलन प्रारंभ हुआ। जिसमें संत रविदास का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। तथापि उनके समग्र आध्यात्मिक अवदान का अभी सही मूल्यांकन नहीं हो सका है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व बहुत विराट करिश्माई और चमत्कारी घटनाओं से परिपूर्ण था। उन्होंने तत्कालीन समाज की वेदना, पीड़ा और मर्म को समझा और उसके व्यावहारिक समाधान जन भाषा में प्रतिपादित किए। उनकी वाणी में लोक कल्याण का स्वर प्रमुखता से व्यक्त हुआ। वह उन संतों में नहीं थे जो गुफाओं में बैठकर केवल आत्म कल्याण के लिए स्वांतः सुखाय साधना करें। उनका दर्शन पलायनवादी नहीं था। उनकी दृष्टि में वही व्यक्ति साधु है जिसने सतरुपी परम तत्व को अनुभूत कर अपने व्यक्तित्व से ऊपर उठकर उसके साथ तादात्म्य स्थापित कर लिया हो और जिनके कार्यों से लोक कल्याण की पवित्र धारा प्रवाहित होती हो। संत रविदास का चिंतन आत्मोन्नति सहित परमात्मा के मिलन को साध्य मानकर लोकमंगल की कामना करता है। ईश्वरोन्मुख तो कोई भी व्यक्ति हो सकता है किंतु उसके जीवन में कर्मकांड रहित निर्मल प्रेम और भक्ति का ईश्वर की सहज अनुभूति का दिव्य स्वरूप होना चाहिए।

दीनता और विनम्रता की साक्षात प्रतिमूर्ति संत रविदासजी की आध्यात्मिक चेतना सबका मंगल, सदा मंगल और मंगल ही मंगल का उद्घोष करती है जो मनुष्य को जन्म से नहीं वरन सत्कर्म और आध्यात्मिक उपलब्धियों से बड़ा मानती है। उनकी उदार मानवीय दृष्टि दैवी संपदा से युक्त स्फटिक की भांति प्रांजल और वास्तविक अर्थ में चिरप्रणम्य है।

संत रविदास ने धर्म अथवा साधना की कोई शास्त्रीय व्याख्या प्रस्तुत नहीं की किंतु सामाजिक व्यवस्था को विकृत करने वाले छुआछूत, ऊंच-नीच, भेदभाव, अन्याय, शोषण और अनाचार का प्रबल विरोध करते हुए धर्म के नाम पर की जाने वाली हिंसा, मिथ्याआडंबरों, अंधविश्वासों, मूल्यहीन परंपराओं की कटु आलोचना की। यद्यपि उनकी आलोचना में किसी प्रकार की वक्रता, उलझन, अटपटापन, कर्मकांड और ज्ञान के दिखावे का दंभ नहीं है और ना ही वर्ण तथा जाति भेद का बंधन है। रविदासजी ने समाज की प्रगति और समरसता को अवरुद्ध करने वाली अस्पृश्यता की विकृति जिसका कोई शास्त्रीय आधार नहीं है, विनम्रता पूर्वक विरोध कर समतावादी समाज की स्थापना पर बल दिया जहां किसी प्रकार की छुआछूत, जातीय भेदभाव, गैर बराबरी और सांप्रदायिक विद्वेष की भावना नहीं हो। संत रविदास ने तत्कालीन सामाजिक समस्याओं का व्यावहारिक समाधान उन्मुक्त भाव से व्यक्त करते हुए किसी संप्रदाय का विरोध नहीं किया। वरन उनकी अंतरात्मा को जागृत कर पारस्परिक सद्भाव और बंधुता का संदेश दिया। ''कृस्न, करीम, राम, हरि, राघव, जब लग एक न पेखा। वेद कतेब कुरान, पुरानन, सहज एक नहिं देखा।।''

संत रविदास का जन्म वाराणसी में संवत 1456 को एक निर्धन चर्मकार परिवार में हुआ था। पिता रघु जी जूते गांठने का काम करते थे। रविदासजी बचपन से ही आध्यात्मिक और उदार प्रवृत्ति के थे। उनका कहना था कि सच्ची साधना मनोनिग्रह है। इंद्रियों का दास बने रहने पर भौतिक संपदा पतन

का कारण बनती है।

परोपकार की निर्मल भावनाओं के पक्षधर रविदासजी कहते थे कि सामर्थ्य वाले लोगों को अपनी संपदा में दूसरे अभावग्रस्तों को भी भागीदार बनाना चाहिए अन्यथा संग्रह किया हुआ अनावश्यक धन विपत्ति का रूप धारण कर लेता है। वे प्रतिदिन अपने हाथ से बनाए एक जोड़े जूते जरूरतमंदों को बिना किसी भेदभाव के दान किया करते थे। लेकिन पिता को यह उदारता पसंद नहीं थी। उन्हें घर से पृथक कर दिया किंतु रविदासजी को इस बात का कोई मलाल नहीं रहा और मनोयोग पूर्वक बढ़िया जूते बनाने के काम को ही पूजा मानकर निरंतर करते रहे। संत रविदास की साधना और अन्यन भक्ति भावना की श्रेष्ठता के कारण काशी राज् दंपत्ति तथा चित्तौड़ की झाली रानी और भक्त मीराबाई ने स्वप्रेरणा से बिना किसी दबाव के उन्हें अपना गुरु बनाने का सौभाग्य प्राप्त किया जो तत्कालीन समाज में संत रविदास की एक असाधारण, अपूर्व और अत्यंत अविरल उपलब्धि थी जिसके कारण वह लोक नायक के रूप में समाज में श्रद्धा और आस्था के प्रतीक बन गए थे।

भक्तमाल में नाभादास ने रामानंद के शिष्य रविदास की विमल वाणी को संशय और संदेह की ग्रंथि को खोलने में सक्षम माना है। रविदास के समकालीन अनेक संतों ने उनकी प्रशंसा की। संत कबीर ने कहा साधुन में रविदास संत हैं। सिखों के धर्म ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब में भी संत रविदास के 40 पद सम्मान के साथ सम्मिलित किए गए। वे कहते थे यदि उंचा बनना चाहते हो तो बड़े कर्म करो। जाति से महानता नहीं मिलती जो लोग जात-पांत के आधार पर ऊंच-नीच का भेदभाव करते हैं। वे ईश्वर के प्यारे नहीं हो सकते क्योंकि ईश्वर ने सभी को बनाया है।

संत रविदास की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय थी किंतु वे स्वाभिमानी थे। उनकी सहायता करने के उद्देश्य से एक साधु पारस मणि जिसके स्पर्श से लोहा भी सोना बन जाता है लेकर उनकी कुटिया पर आए किंतु रविदासजी ने वह पारस मणि लेने से नम्रता पूर्वक इंकार कर दिया और कहा मेरे पास परमात्मा नाम का सच्चा पारस मणि है जो बड़े से बड़े पापी को भी संत बना देता है। हरि का नाम मेरे लिए कल्पवृक्ष, कामधेनु और चिंतामणि है। मुझे पारस की आवश्यकता नहीं है। रविदासजी अपनी संत मर्यादा का पालन करते हुए किसी की भेंट अपने निजी उपयोग के लिए स्वीकार नहीं करते थे। साधु पारस मणि को उनकी कुटिया के छप्पर में खोंस कर चले गए। कुछ समय बाद साधु उनकी कुटिया पर लौटे तो उन्हें आश्चर्य हुआ कि संत रविदास की आर्थिक स्थिति में बदलाव नहीं आया। साधु ने पारस मणि का पूछा तो रविदास ने कहा कि आप जहां रख गए होंगे वही उसे ढूंढ लीजिए। वह पारस मणि छप्पर में वैसी की वैसी साधु को प्राप्त हुई। साधु ने कहा संत रविदास तुम्हारी निस्पृहता धन्य है। भक्त मीराबाई ने भी रविदास जी की गरीबी दूर करने के लिए एक कीमती हीरा भेंट करना चाहा किंतु संत रविदास ने उसे स्वीकार नहीं किया। झाली रानी से भी उन्होंने स्वर्ण मुद्राएं स्वीकार नहीं की और कहा कि उनके पास पहले से ही इतना अधिक धन पड़ा है कि उन्हें किसी सांसारिक भेंट की आवश्यकता ही नहीं है।

संत रविदास का मत है कि, मानव जीवन का परम उद्देश्य परमात्मा की प्राप्ति है। जीवन क्षणभंगुर है अतः सांसारिक माया जाल से बचकर परमात्मा का नाम स्मरण कर जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। उन्होंने मानव मात्र की समता पर बल दिया। संगत से ही व्यक्ति परमात्मा या दुष्टआत्मा बनता है। अतः पशु बलि, जीव हिंसा, व्यसन मुक्ति और धर्मांतरण के लिए हिंसा का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि आर्थिक कार्यों में नैतिकता और श्रम की प्रतिष्ठा तथा नारी की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। सबके मंगल, सबके कल्याण और सब के सम्मान की इच्छा ही रविदास के जीवन दर्शन का वैशिष्ट्य है। वे कहते हैं ''ऐसा चाहूं राज में जहां मिले सबन को अन्न, छोट बड़े सब सम बसें रैदास रहे प्रसन्न।'' एक बूंद से सब जग उपजया मंत्र के अर्चक संत रविदास ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की आत्मा में उसी परमात्मा का अंश विद्यमान है फिर किस आधार पर किसी को ऊंचा और किसी को नीचा समझा जाए। उनकी अनन्य भक्ति का यह भजन दृष्टव्य है। ''प्रभुजी! तुम चंदन हम पानी जाकी अंग-अंग बास समानी। प्रभुजी! तुम दीपक हम बाती, जाकी ज्योति बरै दिन राती। प्रभुजी! तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहीं मिलत सुहागा।''

डॉ.अशोक कुमार भार्गव

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पढ़े-लिखे सभ्य समाज की यह विडंबना है कि, आज भी दलितों के प्रति अस्पृश्यता का अभिशाप समाज के लिए कलंक है। देश में प्रतिदिन कहीं ना कहीं दलितों के प्रति शोषण अन्याय अनाचार उत्पीड़न प्रताड़ना महिलाओं के विरूद्ध अपराध, हत्याएं आदि की हृदय विदारक घटनाएं घटती ही रहती हैं। कहने को हमारा देश अनेक धर्माचार्यों अवतारों संतों और महात्माओं का देश है जहां पेड़ पौधों पशु पक्षी जीव जंतु और यहां तक कि पत्थरों की भी पूजा की जाती है किंतु यह कैसा विचित्र विरोधाभास है कि मानव को मानव छूने से अपवित्र और अस्पृश्य हो जाता है।

निःसंदेह संत शिरोमणि रविदासजी का समग्र चिंतन केवल किसी वर्ग विशेष का ही नहीं वरन् वह समूची मानवता के कल्याण की उन्नयन की धरोहर है। अतः राष्ट्र की एकता ही नहीं वरन राष्ट्र के समग्र विकास और स्वस्थ समाज के लिए सामाजिक समरसता के सपनों को साकार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। जन्म आधारित भेदभाव को तिलांजलि देनी ही होगी कानूनों का सख्ती से पालन और सामाजिक चेतना जागृत करनी होगी। जैसा कि संत रविदास ने कहा है ''रैदास जन्म के कारणे होत न कोई नीच, नर को नीच करि डारि हैं ओछे कर्म की कीच।''

ढाई टन वजनी शिवलिंग को स्थापित करने में फेल हुए अनुभवी इंजीनियर

मुस्लिम मिस्त्री के सुझाव से हुई स्थापना

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

जिले में प्रसिद्ध भगवान पशुपतिनाथ महादेव का मंदिर है। जिस मंदिर में सहस्त्रेश्वर महादेव की प्रतिमा स्थापित की जा रही है सहस्त्रेश्वर महादेव का शिवलिंग ढाई टन का है और 6.50 फीट लंबाई और गोलाई है। भगवान शिव के शिवलिंग को जिलहरी में स्थापित करना था। लेकिन कई बड़े इंजीनियर्स को इसमें कामयाबी नहीं मिली। सहस्त्रेश्वर महादेव की प्रतिमा को स्थापित करने के लिए क्रेन की मदद लेनी थी। प्रशासन ने पीडब्ल्यूडी, पीएचई, जिला पंचायत समेत सभी विभागों के इंजीनियर्स को बुलाया था। हालांकि कोई भी नहीं बता पाया कि, शिवलिंग को जिलहरी पर कैसे स्थापित किया जाए। भगवान शिव के शिवलिंग को जिलहरी पर स्थापित करने में कामयाबी नहीं मिलने पर जिम्मेदारी एक मुस्लिम मिस्त्री ने ली।

शिवलिंग को स्थापित करने में फेल हुए अनुभवी इंजीनियर

जलाधारी यानी जिलहरी में शिवलिंग को स्थापित करने में बड़े-बड़े अनुभवी इंजीनियर फेल हो गए, तो वहां काम करने मिस्त्री मकबूल हुसैन अंसारी ने अधिकारियों से बात की और मदद करने की इजाजत मांगी। इजाजत मिलने पर मिस्त्री मकबूल हुसैन अंसारी ने इंजीनियरों को एक आइडिया दिया। उन्होंने बताया कि, शिवलिंग को बर्फ के ऊपर रख दिया जाता है, तो बर्फ पिघलने के साथ ही धीरे-धीरे शिवलिंग जलाधारी में पहुंच जाएगा। मकबूल हुसैन के इस आइडिया को सभी ने पसंद किया और बर्फ को गोलाकार काटा गया फिर उसके टुकड़ों पर शिवलिंग को रख दिया गया।

बर्फ के पिघलने के साथ ही शिवलिंग अपना स्थान लेता गया। अब सभी लोग मिस्त्री मकबूल हुसैन की तारीफ कर रहे हैं। गरीबी की वजह से मकबूल पढ़ाई नहीं कर पाए। उन्होंने सऊदी अरब में 8 वर्ष मिस्त्री का काम किया है, इसके अलावा उन्हें मंदिर बनाने का अनुभव भी है। मकबूल के आइडिया से सहस्त्रेश्वर महादेव को जलाधारी में स्थापित कर दिया गया। इस शिवलिंग को एक हजार 500 वर्ष पहले दशपुर (वर्तमान मंदसौर) के होलकर सम्राट के काल में बनाया गया था। शिवना नदी में मिला शिवलिंग लाइम सेंड स्टोन का है। इसके अलावा अष्टमुखी पशुपतिनाथ की मूर्ति भी शिवना नदी में ही पाई गई थी। गुजरात में बनाई गई शिवलिंग की जलाधारी साढ़े तीन टन की है और शिवलिंग करीब डेढ़ टन का है।

एग्रीकल्चर की दुकान में आग लगाने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

माही की गूंज, शाजापुर।

अकोदिया नगर में 8 व 9 फरवरी की दरमियान रात लगभग साढ़े 12 बजे को उदयविला चौराहे पर सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश प्रजापति की किसान एग्रीकल्चर की दुकान में अज्ञात लोगों ने आगजनी की थी। आगजनी के दौरान लगभग 50 हजार रुपए से ज्यादा का सामान दुकान में जलकर राख हो गया था तथा बड़ी घटना होने से बची थी। उक्त मामले में पुलिस को सफलता मिली है।

जिला पुलिस अधीक्षक पंकज श्रीवास्तव, एसडीओपी विजय शंकर द्विवेदी के निर्देशन में थाना प्रभारी रमेशचंद्र आवास्या व अकोदिया थाना की टीम ने सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर तीन आरोपी साजिद पिता अब्दुल रशीद पठान निवासी राठी मोहल्ला, अजहर पिता फिरदोष पठान निवासी डाबरी मोहल्ला, अय्यूब पिता कासम बैग डाबरी मोहल्ला इन तीनों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है तथा चौथा आरोपी जावेद निवासी संजय कॉलोनी फरार है, जिसकी अकोदिया पुलिस तलाश कर रही है। अगर इस प्रकार की घटनाएं नगर में होती है तो आने वाले समय में ऐसे लोग और भी व्यापारियों को निशाना बना सकते हैं इस प्रकार की हरकत करने वाले लोगों के खिलाफ नागरिकों का कहना है कि, सख्त से सख्त कार्रवाई होना चाहिए ताकि आगे इस प्रकार की वारदातें न हो।

एमडीएमए की तस्करी करते एक आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में अफीम, डोडाचूरा, स्मैक व हेरोईन जैसे मादक पदार्थों की तस्करी तो लंबे समय से हो ही रही है। वहीं अब एमडीएमए जैसे सिंथेटिक ड्रग का भी चलन बढ़ रहा है।

कोतवाली पुलिस ने सोमवार को ही 500 ग्राम एमडीएमए जब्त कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसे एमडीएमए सप्लाय करने वाला अभी फरार है। जिले में एमडीएमए जब्त करने का यह दूसरा मामला है। इससे पहले भावगढ़ थाना क्षेत्र में भी एमडीएमए ड्रग जब्त हो चुकी है।

कोतवाली टीआई अमित सोनी ने बताया कि, सोमवार को श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के पास माली धर्मशाला के सामने से मोटर साइकिल (एमपी 14 एनसी 9601) से जा रहे 37 वर्षीय शाहनवाज पुत्र ग्यासउद्दीन मंसूरी निवासी रीछालालमुहां को रोककर तलाशी ली। तो उसके पास से 500 ग्राम एमडीएमए मिला। आरोपित यह मादक पदार्थ राजस्थान में किसी तस्कर को देने ही जा रहा था।

शाहनवाज ने बताया कि, वह यह एमडीएम राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के ग्राम देवल्जी के शेरखान पुत्र गुलखान से लेकर आया था। राजस्थान में जिस तस्कर को एमडीएमए देने जा रहा था उसका मोबाइल नंबर भी शाहनवाज मंसूरी ने बताया है। आरोपित शाहनवाज से जप्त मादक पदार्थ के मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22, 8/29 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। अब मामले में फरार शेर खान व एक अन्य आरोपित की तलाश की जा रही है। कार्रवाई में उप निरीक्षक मनोज गर्ग, सउनि सुरजसिंह परमार, प्रआर प्रदीपसिंह तोमर आरक्षक चालक रोहित चाकरे, आरक्षक लालूराम मेघवाल, आरक्षक अरविंद पुरोहित, आरक्षक उमेश राठौर की भूमिका रही है।

अफीम गांजे की जगह अब सिंथेटिक ड्रग एमडीएमए का चलन

पुलिस अधिकारियों के अनुसार पिछले कुछ समय से युवा वर्ग द्वारा नशे का चलन बढ़ा है। इसमें एमडीएमए जैसे सिंथेटिक ड्रग भी इस्तेमाल हो रहे हैं। मंदसौर में भी अब इसका चलन बढ़ रहा है। कुछ फार्म हाउस व बंद कमरों में होने वाली निजी पाटियों में युवक युवतियों द्वारा इसके इस्तेमाल करने की जानकारी भी मिली है। पुलिस को भी कुछ ऐसे लोगों के नाम पते मिले हैं जिनके संपर्क इंदौर व मुंबई के एमडीएमए ड्रग सप्लायरों से हैं। अब इनकी पुष्टि भी की जा रही है और लगभग 500 ग्राम एमडीएमए जब्त होने से इसकी पुष्टि होती है कि मंदसौर जिले में भी इसका उपयोग शुरू हो गया है।

बैटरी चोर गिरोह का हुआ खुलासा

माही की गूंज, मंदसौर।

गरोठ पुलिस ने अंतर राज्यीय बैटरी चोर गिरोह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आए 7 आरोपियों के पास से 53 लाख रुपए का सामान जब्त किया है। एसपी अनुराग सुजानीया ने बताया कि, गिरोह का मास्टरमाइंड बड़ी कंपनी में मोबाइल टॉवर का टेक्नीशियन रह चुका है। 11 बदमाश पेट्रोल पंप पर लूट की साजिश रच रहे थे। इसी दौरान इन्हें हथियारों के साथ पकड़ा गया। इनके चार साथियों की तलाश की जा रही है।

पूछताछ में पता चला कि, नाहरगढ़, सीतामऊ, नीमच, रतलाम, अलोट, उज्जैन और इंदौर के साथ ही राजस्थान में करीब 30 से 35 स्थानों पर मोबाइल टावर से बैटरी चोरी कर चुके हैं। गिरोह का मास्टर माइंड योगेश एक बड़ी मोबाइल कंपनी में मोबाइल टॉवर का टेक्नीशियन रहा है। उसे मोबाइल टॉवर में बैटरी लगाने और निकालने की जानकारी है। वे बैटरियों को निकालकर इंदौर में बेचते थे। पुलिस ने बैटरी खरीदने वालों को भी आरोपी बनाया है। गिरफ्तार में आया इरफान और सिराज रतलाम के आलोट थाने के फरार आरोपी हैं। दोनों आरोपियों पर 28 क्विंटल सोयाबीन चोरी का आरोप है।

उक्त गिरफ्तार आरोपी सिराज पिता शकुर खां मंसूरी निवासी अजयपुर, योगेश पिता रामप्रसाद खाती पटेल निवासी कुरावन, इरफान पिता यूनुस खान मंसूरी निवासी अजयपुर मंदसौर, विष्णु उर्फ मामा पिता भागीरथ कुशवाह निवासी काछीवाड़ा बस स्टैंड शाजापुर, अभिषेक पिता सुरेश सोलंकी निवासी हतुनिया फाटा क्षिप्रा इंदौर, शंकर पिता गोपाल सिंह निवासी डुंगरखेड़ी मंदसौर, आशिक पिता शेरू खां मंसूरी निवासी अजयपुर मंदसौर है। वही हुसैन पिता छोटू खां मंसूरी निवासी अजयपूर मंदसौर, हेदर पिता गुड्डू खां मंसूरी निवासी अजयपूर मंदसौर, इमरान पिता कालू खां मंसूरी निवासी अजयपूर मंदसौर, राजू पिता सलीम खां मंसूरी निवासी मेलखेड़ा मंदसौर फरार है जिनकी तलाश जारी है।

डोडा चुरा की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

नारायणगढ़ पुलिस ने कार से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले दो युवकों को पकड़ा है। कार की तलाशी लेने पर आरोपियों से 91 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा जब्त किया है।

नारायणगढ़ थाना प्रभारी अवनीश श्रीवास्तव ने बताया कि, मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मल्हारगढ़ नारायणगढ़ रोड पर आकली फंटे के निकट से बदमाशों को पकड़ा। टीम ने कार एमपी 09 सीव्हाय 9251 की तलाशी ली तो डिक्की में 6 प्लास्टिक के बैग में मिले। इनमें 91 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा था। डोडा चूरा की कीमत करीब एक लाख 37 हजार बताई जा रही है।

पुलिस ने मौके से कार सवार विक्रम पिता कंवरलाल मोंगिया (24) निवासी चौथखेड़ी नारायणगढ़ और अम्बालाल पिता उदयराम गायरी (29) निवासी देवरी पिपलियामंडी को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ नारायणगढ़ पुलिस ने एडीपीएस एक्ट की धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया है। आरोपी मादक पदार्थ कहां से लेकर आए थे, किसे देने वाले थे, इसे लेकर पूछताछ चल रही है।

केमिस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष बने सुरेंद्र नायक

माही की गूंज, शुजालपुर।

शुजालपुर के मिस्ट्री एसोसिएशन का चुनाव शुजालपुर में किया गया। जिसमें सभी मेडिकल संचालक ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। चुनाव में सभी ने अपने विचार रखें। सभी मेडिकल संचालक की सहमति से सुरेंद्र नायक को सुजालपुर केमेस्ट्री एसोसिएशन का अध्यक्ष चुने गए। सुरेंद्र नायक को अध्यक्ष बनने पर सभी मेडिकल संचालकों में खुशी की लहर रही। केमिस्ट्री एसोसिएशन की मीटिंग मानस भवन शुजालपुर में हुई जहां सबकी सहमति पर शुजालपुर केमिस्ट्री नवागत एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेंद्र नायक को बधाई शुभकामनाएं हार फूल माला से स्वागत किया गया।

मन्दिर में की बालाजी महादेव की स्थापना

माही की गूंज, कालापीपल।

बालाजी धाम कॉलोनी कालापीपल मंडी के मंदिर में बालाजी महादेव की स्थापना की गई। लंबी प्रतिक्षा के बाद कॉलोनी वासियों ने शिव परिवार प्रतिमाओं की स्थापना की। समारोह में मन्दिर पर कलश भी चढ़ाया गया, अनुष्ठान और यज्ञ भी हुए जिसमे सभी कॉलोनी वासियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। वहीं मातृ शक्तियों ने मंगलगीतो से प्रभु का स्वागत किया एवं बालिकाओं ने पुष्प वृष्टि की।

पंडित सतीश गुरु ने बताया कि, इस तरह का मंदिर और शिव परिवार संभवत कालापीपल में दूसरा नही है। कॉलोनी के मालिक एवं प्रबंधक संदीप परमार ने कहा कि, स्थापना का प्रयास काफी समय से चल रहा था। श्रद्धालु कल्पना पाटीदार ने कहा कि, महिलाओं को पूजन अर्चन के लिए काफी दूर जाना पड़ता था लेकिन शिव परिवार की स्थापना होने से अब उन्हें दूर नही जाना पड़ेगा। श्रद्धालु डॉ. हरीश पथिक ने कहा कि, मंदिर निर्माण एवं मूर्ति स्थापना से जहां महिलाओं को लाभ होगा वहीं पुरूष वर्ग भी लाभान्वित हो धार्मिक अनुष्ठान यज्ञ आदि यहीं पर कर पाएंगे। उक्त आयोजन में मनोहर सिंह परमार, धीरज पाटीदार, हरिओम शिल्पी, धीरज परमार, मनोहर शर्मा, डॉ हरीश सोनी, संजय बिठोरे, शेर सिंह, महेश रावलिया और अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे और साथ ही मातृ शक्तियां भी मौजूद रही।

समग्र मूल्यांकन को लेकर शिक्षा मंत्री का बड़ा बयान, पढ़ाई के अलावा इसके भी मिलेंगे नंबर

माही की गूंज, शाजापुर।

शिक्षा के क्षेत्र में विभाग शिक्षा मंत्री इन्दर सिह परमार द्वारा नए-नए कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में अब एक नई पहल करते हुए प्रदेश में ओपन बोर्ड के द्वारा 53 स्कूल संचालित कर रहे स्कूलो में आर्टिफिशियल इंटलीजेंस विषय को 240 घंटे के पाठ्यक्रम के साथ में सरकार अगले सत्र से पढ़ाने जा रही है। उक्त बात शाजापुर पहुँचे प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार ने कही। इस अवसर पर उन्होंने 617.82 लाख से बनने वाले महाविद्यालय का भूमिपूजन भी किया।

प्रदेश में ओपन बोर्ड के द्वारा 53 स्कूल संचालित कर रहे है उन स्कूलो में आर्टिफिशियल इंटलीजेंस विषय को 240 घंटे के पाठ्यक्रम के साथ में अगले सत्र से पढ़ाने जा रही है सरकार। प्रदेश में नया प्रयोग करने जा रही है सरकार भारत के अन्य राज्यों की भाषाएं ज्ञान के लिए प्रदेश के विद्यार्थी पढ़े इसके लिए प्रयास किये जा रहे है जितने शिक्षक उपलब्ध होगे उसमें ओपन बोर्ड के 52 जिलो के 53 स्कूलो में पढ़ाई कराई जाएगी उसकी तैयारी सरकार करने जा रही है।

परंपरागत कलाओं को मिलेगा बढ़ावा

प्रदेश के शुजालपुर में एक ट्रेनिंग सेन्टर भी बनाया जा रहा है जिसमे हेण्डलूम, मिट्टी कला, बॉसकला, सौर ऊर्जा के मरम्मत व मैकेनिकल लाईन में काम करने वाले लोगो को तैयार किया जाएगा। ऐसा एक नया प्रयोग किया जा रहा है जिसमें 5वीं व 8वीं पास कर पढ़ाई छोड़ चुके या 10वीं फेल लोग इस ट्रेनिंग सेन्टर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। जो बेरोजगार है उन्हें रोजगार के साथ जोड़ने वाले है यह नया प्रयोग सरकार प्रदेश में करने जा रही है।

समग्र मूल्यांकन का मिलेगा लाभ

समग्र मूल्यांकन में वर्ष भर की गतिवीधियों को सरकार सम्मिलित करने जा रही है। ताकि बच्चा जो अन्य-अन्य गतिविधियों में है उसको उसका भी वैटेज मिलेगा। खेल में है तो खेल का, स्कॉउट में है तो स्कॉउट का, एनसीसी में है तो एनसीसी का। अन्य किसी कला में निपुण हैं, तो उसको लाभ मिलेगा। इसे भी सरकार अगले सत्र से प्रारंभ करने जा रही है।

सभी वर्गों के लिए एक समान छात्रावास

स्कूल शिक्षा व ट्राइवल विभाग ने कुछ छात्रावास ऐसे बनाने का निर्णय लिया है जिसमे सभी वर्ग के छात्र एक साथ रह कर पढ़ सके, ऊच नीच का भाव समाप्त हो और नये भारत का निर्माण समाज के द्वारा करना है ऐसा समाज छात्रावासो से प्रेरित होकर विद्यार्थी एक-दूसरे में सदभावना के साथ रह कर सीख सके अच्छे संस्कार ग्रहण कर सके अपने महापुरूषो से प्रेरणा लेने का बड़ा काम भी वहां कर सकेंगे ऐसे छात्रावास बनाने की सरकार की योजना है।

आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ता प्रसूता को झोली में डालकर पहुंची मुख्य सड़क तक

प्रसव के लिए पहुंचाया रोसर अस्पताल

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में स्थानीय परिस्थितियों के मद्देनजर कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा द्वारा प्रारंभ किया गया मिशन उम्मीद अभियान एक बार पुनः रंग लाया है। दुर्गम क्षेत्रों से गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित तरीके से नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने का यह अभियान अब स्थानीय कार्यकर्ताओं को अपनी मौलिक सृजनता दिखाने का अवसर भी प्रदान कर रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता को गर्भवती महिलाओं को स्ट्रेचर के माध्यम से पहाड़ों से लाकर संस्था तक पहुंचाने का प्रशिक्षण अब ओर आगे बढ़ चला है। ग्राम मेढ़किमाल की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रूया नरगांवे एवं आशा कार्यकर्ता श्रीमती संगीता अलावे ने एक गर्भवती महिला को उसके परिजनों के साथ कपड़े के स्ट्रेचर में डालकर खेत-खलिहानों, नालों से मुख्य सड़क तक लाकर एम्बुलेंस के माध्यम से उसे रोसर स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाकर सफल प्रसव कराने में सफलता प्राप्त की है।

जिले के सबसे पिछड़े विकासखण्ड पाटी के दूरस्थ ग्राम मेढ़किमाल के पटेल फल्या में गर्भवती श्रीमती सिन्तु बाई पति मुकेश को मंगलवार को प्रसव पीड़ा होने पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रूया नरगांवे एवं आशा कार्यकर्ता श्रीमती संगीता अलावे ने अपनी सूझ-बूझ एवं परिवार के सदस्यों के सहयोग से कपड़े के स्ट्रेचर के माध्यम से गर्भवती महिला को पथरीले मार्ग, खेत-खलिहान नाले से होते हुए मुख्य मार्ग तक पहुंचाया एवं वहां से उसे एम्बुलेंस के माध्यम से स्वास्थ्य केन्द्र रोसर पहुंचाया। जहां पर गर्भवती महिला ने 2.400 ग्राम के स्वस्थ्य बच्चे को जन्म दिया है। अब जच्चा-बच्चा स्वस्थ्य होकर दोनों प्रशिक्षित चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की देखरेख में स्वास्थ्य लाभ ले रहे है।

कैबिनेट मंत्री का दौरा कार्यक्रम

माही की गूंज, बड़वावानी।

प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण मंत्री प्रेमसिंह पटेल 17 फरवरी को दोपहर 12 बजे ग्राम मेणीमाता पहुंचकर पशु चिकित्सालय में निर्मित होने वाले दो अतिरिक्त कक्ष एवं बाउण्ड्रीवाल का भूमिपूजन करेंगे। तत्पश्चात वे बड़वानी के लिये प्रस्थान करेंगे।

धूमधाम से मनाई संत शिरोमणि रविदास जयंती

पराधीन सपनेहु सुख नाही का उद्घोष करने वाले संत शिरोमणि थे रविदास जी- कैबिनेट मंत्री श्री पटेल

माही की गूंज, बड़वानी।

पराधीनता एक अभिशाप है और गुलाम व्यक्ति के जीवन में सुख की प्राप्ति कभी नहीं हो सकती, सिंह के समान गर्जना करते हुए संत रविदास जी ने स्वराज के महत्व को प्रतिपादित किया था उनके अनुसार मनुष्य के सुख और शांतिपूर्वक जीवन के लिए दो ही स्थान निर्धारित है पहला स्वराज और दूसरा शमशान।

उक्त बाते संत रविदासजी की 645 वी जयंती पर आयोजित जिला स्त्रीय कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने कही। उन्होंने कहा, संतश्री ने हमें कर्म से जीवन के मर्म की शिक्षा दी। इस दौरान उन्होने बताया कि, संत रविदास जी ने संवत 1433 की माघ पूर्णिमा को त्याग ज्ञान एवं वैराग्य की तपोभूमि काशी में दिव्य शक्ति के रूप में अवतार लिया तथा बचपन से ही पुरुषार्थ को आत्मसात कर निरंतर अपनी लेखनी से समाज में जन जागरण के कार्य में जुटे रहे। वे सदैव समाज में असमानता को मिटाने के पक्षधर रहे तथा समरस समाज उनके जीवन का मूल मंत्र रहा । इसलिये राज्य शासन उनकी जयंती को सम्पूर्ण प्रदेश के जिलो, विकासखण्डो एवं ग्राम पंचायतो में मना रहा है। जिससे संत अनुसार समाज का निर्माण हो सके ।

कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी ने संत रविदास को नमन करते हुए कहा कि, संतश्री का जन्म ऐसे समय में हुआ था, जब समाज में असमानता की भावना जाति पंथ और संप्रदाय की जटिल परिस्थितियाँ विद्यमान थी तथा भारतीय परंपराओं पर लगातार कुठाराघात किया जा रहा था ऐसे समय में उन्होंने अपने वचनों से समाज जागरण के आलोक से सामाजिक ताने-बाने को देदीप्यमान बनाने का कार्य किया ।

बड़वानी के जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल, राज्यसभा सांसद डॉ सुमेरसिंह सोलंकी, प्रभारी कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर ने संत शिरोमणि रविदास जयंती की सभी को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चैहान के संबोधन का भी लाइव प्रसारण उपस्थितो को दिखाया गया । इस दौरान लोकसभा सांसद श्री गजेन्द्रसिंह पटेल के प्रतिनिधि संजय गुप्ता, बड़वानी एसडीएम घनश्याम धनगर, सहायक आयुक्त जनजातीय विकास निलेषसिंह रघुवंशी, नगरपालिका सीएमओं कुशलसिंह डोडवे, वार्ड पार्षद श्रीमती शकुबाई शिमले, पूर्व पार्षद देवेंद्र शिमले, जिला महामंत्री मुकेश वटके सहित समाज जन उपस्थित थे।

समाजजनों किया सम्मान

जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान समाज के वरिष्ठ मोतीलाल जयपाल, तुलसीराम पिपल्या, मयाराम सुरागे, राजेश पंवार, मुकेश पंवार, मांगीलाल शिमले का सम्मान भी अतिथियों द्वार हार-फूल, श्रीफल से किया गया। वहीं समाज के दिनेश पंवार ने ज्ञापन का वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अनिल जोशी द्वारा एवं आभार प्रदर्शन नगरपालिका सीएमओ कुशलसिंह डोडवे द्वारा किया गया।

राज्यसभा सांसद ने चर्म शिल्पियों के पास पहुंचकर किया सम्मान

कार्यक्रम के पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी ने बड़वानी नगर के विभिन्न मार्गो के किनारे बैठकर चर्म शिल्पी का कार्य कर रहे बन्धुओं के पास पहुंचकर जहॉ उनका सम्मान किया, वहीं उनके चरण छूकर आर्शिवाद भी प्राप्त किया।

राष्ट्रीय समरसता का संदेश सबसे पहले संत शिरोमणि रविदास ने दे दिया- प्रभारी मंत्री पटेल

सांसद ने अपने जन्मदिन पर सिकलसेल व एनीमिया जांच का किया शुभारम्भ

माही की गूंज, खरगोन।

प्रदेश के कृषि मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने कहा कि, देश में सबसे पहले राष्ट्रीय समरसता का संदेश देने वाले संत शिरोमणि रविदास हुए है। वे ऐसे गुरु रहे हैं जिन्होंने जात-पात, ऊँच-नीच को दूर करने के लिए कई उपदेश दिए हैं। संत शिरोमणि के उपदेश आज भी हमारे समाज में प्रेरणा के स्त्रोत हैं। प्रभारी मंत्री श्री पटेल संत शिरोमणि रविदासज की जयंती पर टॉउन हॉल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़कर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 21 वी सदी भारत की सदी बने इसके लिए भारत सरकार और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही है। प्रदेश आत्मनिर्भर की ओर तेज गति से बढ़ रहा है। संत शिरोमणि रविदास जयंती पर अनुसूचित जाति विभाग द्वारा जिले की सभी जनपदों में कार्यक्रम आयोजित किये गए। कार्यक्रम के दौरान अनुसूचित जाति विभाग के द्वारा प्रतिभावान विद्यार्थियों और कोरोना से प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में अनुसूचित जाति विभाग के सहायक संचालक एबी गुप्ता ने स्वागत संबोधन में विभागीय योजनाओं की जानकारियां दी। कार्यक्रम में नगर पालिका सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल सहित अन्य अधिकारी व बाबूलाल जोगे, गणेश तावड़े, तलवार तावड़े, कृष्णा कोठे, जेपी गोखले भी उपस्थित रहे।

दबे कुचले समाज को आगे लाने का प्रयास

जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री बालकृष्ण पाटीदार ने सम्बोधित करते हुए कहा कि दबे कुचले समाज को आगे बढ़ाने और मुख्य धारा में लाने के लिए संत रविदास का महत्वपूर्ण योगदान है। संत रविदास ने विचारों से ऊंचा अपर नीचा होने का संदेश दिया है। कोई भी व्यक्ति गरीबी या समृद्धि से ऊंचा नहीं होता है वह तो विचारों से ऊंचा नीचा होता है। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर एसएस मुजाल्दा, परसराम चौहान और रविदास संत समाज के अध्यक्ष रेवाराम तावड़े ने भी संबोधित किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में अनूसूचित जाति के प्रतिभावान विद्यार्थियों में शिवर दशरथ पंचोरे, आर्यन कड़वा, आदित्य रोजश खेड़ेकर, रजत जगदीश रंसोरे को सम्मानित किया गया। वहीं कोरोना से प्रभावित परिवारों में शीतल भालसे, वंशिका को 1-1 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई।

जिला विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, खरगोन।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मण्डलेश्वर/प्रधान जिला न्यायाधीश, दिलीप कुमार नागले के मार्गदर्शन एवं सचिव, विकासचन्द्र मिश्र के निर्देशन में मण्डलेश्वर हाट बाजार मे कोरोना जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में कोविड-19 के कारण होने वाली मृत्यु के संबंध मे मृतको के आश्रितो तथा ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता अथवा दोनो मे से किसी एक की मृत्यु कोविड के कारण हुई हैं। इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि जिन्होने शासन से एक्सग्रेसिया/प्रतिकर राशि अभी तक प्राप्त नही हुई है वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर के माध्यम से आवेदन कर राशि प्राप्त कर सकते हैं। शिविर को जिला विधिक सहायता अधिकारी रॉबिन दयाल द्वारा संबोधित करते हुए बताया गया कि, गौरव कुमार बंसल विरूद्ध भारत संघ, रिट पिटिशन मे दिये गये दिशानिर्देशानुसार कोविड-19 के कारण होने वाली मृत्यु के संबंध मे मृतको के आश्रितो तथा ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता अथवा दोनो मे से किसी एक की मृत्यु कोविड के कारण हुई हैं जिन्होने शासन द्वारा प्राप्त एक्सग्रेसिया/प्रतिकर राशि के लिए अभी तक आवेदन नही किया है या जिनके आवेदन निरस्त किये गये हैं वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मण्डलेश्वर के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। कोरोना जागरूकता अभियान हाट बाजार मे चलाते हुये मास्क पहनने एवं सामाजिक दुरी के बारे मे बताया गया एवं माक्स का वितरण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर की ओर से आमजन को किया गया। जागरूकता शिविर में पैरालीगल वालेन्टियर्स जोजू एम.आर., दुर्गेश राजदीप, सोनू शाह एवं बड़ी संख्या मे हाट बजार मे आमजन उपस्थित रहें।

जिले मे सिकलसेल जांच अभियान की शुरूआत

सिकलसेल जागरूकता अभियान की शुरुआत कर सांसद पटेल ने मनाया अपना जन्मदिन

माही की गूंज, खरगोन।

भगवानपुरा में आयोजित संत शिरोमणि रविदास जयंती का कार्यक्रम हायर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद गजेंद्रसिंह पटेल ने अपने जन्मदिवस के मौके पर सिकलसेल व एनीमिया नामक बीमारी के विरुद्ध जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। सबसे पहले सांसद पटेल ने स्वयं सिकलसेल के लिए सॉलिबिलिटी टेस्ट की जांच करवाई और ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं को जांच के करवाने का आव्हान किया। संत रविदास जयंती के उपलक्ष्य पर अतिथियों ने संत समाज के युवा प्रतिभावान युवाओं व युवतियों को सम्मानित भी किया गया। इसके साथ ही क्षेत्र में शिक्षा स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर जागरूक करने वाले कर्मचारियों को भी मंच से सम्मानित किया गया। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किया गया। जिसका प्रसारण जिला व विकासखण्ड स्तर पर किया गया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान का वीडिओ कांफ्रेसिंग के जरिये लाइव संवाद भी सुना।

कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री पटेल ने कहा कि, सिकलसेल एक अनुवांशिक बीमारी है। जो की माता-पिता के द्वारा संतान को मिलती है। सिकलसेल मुक्त अभियान का उद्देश्य इस बीमारी को निमाड़ से मुक्त कराना है। हमारो जनजातीय क्षेत्र में जागरूकता के आभाव में सिकलसेल रोगियों की संख्या काफी बड़ी है। इस बीमारी में रोगियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और रोगी को जीवन भर रक्त चढ़ाना पड़ता है। इसके लिए जरूरी है कि हम सब अपनी-अपनी जांच करवा ले। यह अभियान सतत चलेगा। बच्चों में इस बीमारी की रोकथाम के लिए हमें जागरूकता लाना होगा इसके लिए आज रविदास जी की जयंती के पावन अवसर पर सिकलसेल के प्रति जागरूकता अभियान की शुरुआत की जा रही है। आसपास के क्षेत्र गांव एवं फ़ालियों के परिवारों में इस बीमारी के संदर्भ में जागरूकता का संदेश देकर जांच करवाकर मरीजों का उचित उपचार नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर करवाएं।

380 में से 36 सॉलिबिलीटि टेस्ट पॉजिटीव

भगवानपुरा में आज से प्रारंभ हुए सिकलसेल व एनीमिया अभियान में 380 सॉलिबिलिटी टेस्ट कराएं हैं। सीएमएचओ डॉ. डीएस चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि भगवानपुरा के जांच शिविर में सॉलिबिलिटी टेस्ट हुए हैं। 380 में से 36 पॉजिटीव टेस्ट सामने आएं हैं। इसके बाद जिला स्तर पर पॉजिटिव टेस्ट की इलेक्ट्रो फॉरेसिक जांच की जाएगी। इसके उपरांत वास्तविक स्थिति सामने आएगी। 12 फरवरी को आशापुर में आयोजित जांच शिविर में 40 बच्चों के टेस्ट किए थे। उसमें 08 पॉजिटिव आए हैं। अब आगे पूरे जिले में बच्चों, गर्भवती माताओं, किशोरियों, और पुरूषों की जांच की जाएगी। भगवानपुरा में आयुष विभाग द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. वासूदेव आसलकर ने बताया कि शिविर में डॉ. सचिन मंडलोई, डॉ. भोलेंसिह बड़ोले और डॉ. साधना पंवार द्वारा 222 रोगियों का स्वास्थ्य परिक्षण कर औषधियों का वितरण किया गया।

संत रविदास के भजनों की प्रस्तुति

कार्यक्रम की शुरुआत में संत रविदास की जीवन गाथा पर भजन प्रस्तुति गायक रघुनाथ ज्ञानी जी की टीम द्वारा दी गई। वहीं आदिवासी नृत्य के साथ चंपालाल बड़ोले ने गुरु वंदना की प्रस्तुति दी साथ ही आदिवासी गीत गाकर खूब दाद बटोरी आदिवासी गीत के मधुर भक्तों को देखकर सांसद गजेंद्र पटेल भी अपने आप को रोक नहीं पाए और मंच से उतरकर तीर कमान लिए कार्यकर्ताओं के साथ नृत्य का आनंद उठाया। वहीँ कन्या शिक्षा परिसर की बालिकाओं ने भी आदिवासी गीतों पर शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री दिव्यांक पटेल, सीएमएचओ डॉ. डीएस चौहान सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एसडीएम को रेडक्रास के निर्वाचन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

माही की गूंज, खरगोन।

भारतीय रेडक्रास सोसायटी की जिला प्रबंधन समिति के सदस्यों निर्वाचन कराने के लिए अपर कलेक्टर एसएस मुजाल्दा ने नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। खरगोन के एसडीएम मिलिंद ढोके अब भारतीय रेडक्रास सोसायटी के निर्वाचन अधिकारी व नोडल अधिकारी होंगे।

हर्षोल्लास के साथ मनाई संत शिरोमणी रविदास जयंती

माही की गूंज, अलीराजपुर।

संत शिरोमणी रविदास की जयंती जिलेभर में मनाई गई। कृषि उपज मंडी परिसर अलीराजपुर में जिला स्तरीय कायर्क्रम आयोजित हुआ। कायर्क्रम की अध्यक्षता सांसद प्रतिनिधि नागरसिंह चैहान ने की। विशेष अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रितेश डावर, विधायक प्रतिनिधि खुर्शीद अली दीवान थे। कायर्क्रम में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे। कायर्क्रम का शुभारंभ अतिथिगण द्वारा संत रविदासजी के चित्र का पूजन एवं पुष्पमाला अर्पित कर व दीप प्रज्जवलन कर किया गया। कायर्क्रम में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चैहान के संबोधन को लाइन सुना और देखा गया। उन्होंने संत रविदासजी के जीवन और उनके विचार प्रकाा डाला तथा केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी अपने उद्बोधन में दी।

कायर्क्रम को संबोधित करते हुए श्री चौहान ने कहा, केन्द्र और राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर सबका साथए सबका विकास और सबका विवास की सोच को मूर्त रूप प्रदान करते हुए आगे बढ रही है। अनसूचित जाति वर्ग के बच्चें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढे। इसके लिए विशेष प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने अनुसूचित जाति वर्ग द्वारा जिले में कई स्थानों पर सामाजिक जन जागरण के प्रयासों का जिक्र करते हुए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जिले में अनुसूचित जाति वर्ग से जुडे परिवार कृषि और पशुपालन के महत्वपूर्ण रोजगारों से जुडे है। इन परिवारों की महिलाओं को समूहों से जोडकर संवहनीय आजीविका गतिविधियों से जोडकर आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किये जाए, जिससे यह परिवार आत्मनिर्भर और शसक्त होंगे।

कायर्क्रम को संत रविदास समाज अलीराजपुर जिलाध्यक्ष शंकर हरवाल ने भी संबोधित किया। उन्होंने एकलव्य विद्यालय की तर्ज पर अनुसूचित जाति के विद्याथिर्यों हेतु संत रविदास शिक्षा परिसर संचालित किये जाने का मुख्यमंत्री के नाम का मांग पत्र सौपा। स्वागत उद्बोधन संयुक्त कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री जानकी यादव ने दिया। कायर्क्रम में संत रविदास जी के अनुयायीगण द्वारा रथ चल समारोह निकाला गया। चल समारोह में संत रविदासजी के चित्र पर अतिथिगण ने पुष्पमाला अर्पित की।

इस अवसर पर मसाला क्षेत्र विस्तार योजना के तहत भोरदू निवासी सुरेश फतिया को अनुदान राशि का हितलाभ वितरित किया गया। कायर्क्रम में भजन मंडली द्वारा संत रविदास के भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। भजन मंडली सदस्यों का पुष्पमाला से स्वागत किया गया। कायर्क्रम में अपर कलेक्टर सीएल चनाप, एसडीएम अलीराजपुर श्रीमती लक्ष्मी गामड, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, कमर्चारीगण एवं संत रविदासजी के अनुयायीगण बडी संख्या में उपस्थित थे।

सेवा का पर्याय प्रमिला सिस्टर, हमेशा रहती है तत्पर

माही की गूंज, आम्बुआ। मयंक विश्वकर्मा

स्वास्थ्य विभाग जिसे मंदिर का दर्जा दिया जा सकता है। जहां भगवान के रूप में चिकित्सक तो देवियों के रूप में महिला कर्मचारी दिन-रात मानव सेवा में जुटे रहते हैं। अपनी तथा अपने परिवार के सेहत की चिंता किए बगैर पूरी मुस्तैदी से कर्तव्य पथ पर डटे रहने वाले स्वास्थ्य कर्मियों में कुछ विशेष भी होते हैं, जिनकी सेवा की मिसाल दी जाती है। आम्बुआ स्वास्थ्य विभाग में भी ऐसी ही सेवाभावी एक ÷सिस्टर÷ सभी की प्रशंसा की पात्र बनी हुई है।

स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत लगभग हर कर्मचारी चाहे वह डॉक्टर हो नर्स हो या कंपाउंडर, वार्ड बॉय या सफाईकर्मी, वह पारिवारिक, घरेलू, आर्थिक या किसी भी प्रकार के तनाव में रहता है हो मगर ड्यूटी पर जब भी आते हैं अपनी व्यक्तिगत पीड़ा को पी कर मुस्कुराहट ही बिखरते हैं। यही मुस्कुराहट बीमारों को मानो ऑक्सीजन और दवाई का कार्य करती है। पीड़ा से कराहते मरीज इनके चेहरों को देखकर तथा ब्रजभाषा के साथ ही सुखद स्पर्श से अपनी आधी पीड़ा भूल जाते हैं। आम्बुआ स्वास्थ्य विभाग में जो भी कर्मचारी है सब भले है, मगर इनमें से प्रमिला सोलंकी (एलएचवी) का व्यवहार अधिक तसल्ली देने वाला होता है। विगत वर्षों से कोरोना काल में सेवाएं देते देते दो बार स्वयं कोरोना पीड़ित होने के बावजूद ठीक होते ही सेवा में जुट जाने वाली सिस्टर कोरोना वैक्सीनेशन में विशेष भूमिका निभा रही है। इनका कोरोना का टीका (इंजेक्शन) लगाने का जादुई तरीका सबको भाता है बात करते-करते कब इंजेक्शन लग जाता है पता नहीं लगता। कोरोना का टीका लगवाने वाले या अन्य इंजेक्शन लगवाने वाले पहले खबर निकालते हैं कि, प्रमिला सिस्टर ड्यूटी पर है या नहीं पता लगता है कि वो है तो तत्काल जाकर टीका लगवा लिया जाता है। अभी तक हुए कोरोना वैक्सीनेशन में अधिकांश लोगों को इन्हीं के हाथों टीका लगाया गया है अभी वह इस अभियान में हमेशा अग्रपंक्ति ने दिखाई दे जाएगी। कस्बे में मरीजों की जांच हेतु जाने वाले दल हो या ग्रामीण क्षेत्रों में जाने वाली टीम हो वे हमेशा सेवा हेतु तैयार रहती है लोग इनसे इंजेक्शन लगाना इसलिए पसंद करते हैं कि इनका हाथ इतना सधा हुआ रहता है कि इंजेक्शन कब लग गया पता नहीं चलता है। छोटे-बड़े, महिला, पुरुष सभी को इनकी सेवाएं मिलती रहती है और वे अपने मधुर व्यवहार से सभी को खुश रखने का प्रयास करती रहती है।

व्यक्ति जाति से नहीं कर्म से महान बनता हैं- श्री डावर

माही की गूंज, अलीराजपुर।

चंद्रशेखर आजाद नगर स्थित टाऊन हाल में संत रविदासजी की जयंती पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन में नगर के पार्षद नाथूसिंह कटारा, नगर पंचायत के दारोगा शंभू डुडवे, सुनील डुडवे, महेश मेढ़ा, संतोष मारू, अजय मारू, किशोर मारु, संजय डुडवे, एवं अन्य स्वच्छता कर्मियों का पुष्पमाला से सम्मान सांसद प्रतिनिधि व पूर्व विधायक माधौंसिंह डावर, एसडीएम सुश्री किरण आंजना, तहसीलदार जितेन्द्रसिंह तोमर, सीएमओ इकबाल मनिहार द्वारा किया गया।

कायर्क्रम का शुभारंभ संत रविदासजी चित्र का पूजन दीप प्रज्वलन व माल्यापर्ण के साथ सांसद प्रतिनिधि व पुर्व विधायक माधौंसिंह डावरए एसडीएम सुश्री किरण आंजना ने किया। आयोजन में सांसद प्रतिनिधि डावर ने संत रविदास के जीवन के प्रसंग सुनाते हुए बताया कि, कोई व्यक्ति जाति से नहीं कर्म से महान होता हैं। प्रदेश की भाजपा सरकार के द्वारा संत रविदास जंयती के पहले ऐसे भव्य आयोजन को ऐतिहासिक बताया। इस अवसर पर कायर्क्रम में जनपद अध्यक्ष कमना मावीए जनपद सीईओ रविन्द्र गुप्ता जनप्रतिनिधिगण गणमान्य नागरिक व शिक्षा विभाग एराजस्व विभाग महिला बाल विकास विभाग जनपद पंचायत के कमर्चारी व अधिकारी उपस्थित थे। कायर्क्रम में नगर के संजय प्रजापत मंडल ने भजन प्रस्तुत किए। कायर्क्रम का संचालन उत्थ विद्यालय प्रभारी प्राचार्य निलेश शाह द्वारा किया गया।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी हेतु पंजीयन प्रारंभ

माही की गूंज, आम्बुआ। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सहकारी संस्थाओं के माध्यम से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी हेतु कृषको का पंजीयन किया जाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है।

हमारे संवाददाता को आदिम जाति सहकारी संस्था के प्रबंधक डीए स भयडिया ने बताया कि, शासन के निर्देशानुसार कृषकों से उनकी उपज सहकारी संस्थाओं के माध्यम से क्रय करने हेतु संस्था में कृषकों का पंजीयन किया जा रहा है। 5 फरवरी से 5 मार्च 2022 तक पंजीयन कार्य ऑनलाइन किया जा रहा है। इसके बाद आगामी दिनों में गेहूं खरीदी का कार्य समर्थन मूल्य पर किया जाएगा। कृषकों से अपील की गई है कि, वे अधिक से अधिक संख्या में समय पर पंजीयन कराए। बगैर पंजीयन समर्थन मूल्य पर खरीदी नहीं की जाएगी। कृषक प्रतिदिन संस्था में आवश्यक कागजात के साथ पंजीयन करा रहे हैं।

लड़की भगानें के विवाद पर की हत्या, आरोपी आजीवन कारावास से हुआ दंडित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के द्वारा बताया गया कि, थाना आजादनगर क्षैत्रान्तर्गत ग्राम अमनकुआ में घटना दिनांक 24 अप्रेल 2021 को आरोपी लालु पिता मानसिंह पटलिया निवासी ग्राम अमनकुआ द्वारा गणपत पिता नरसिंह भीलाला की हत्या इस बात को लेकर कर दी थी कि, मृतक का लडका आरोपी के भाई की लडकी को शादी के लिए भगाकर ले गया था। जिसका समाज अनुसार निराकरण नहीं होनें की बात को लेकर आरोपी लालु द्वारा मृतक गणपत की लठ्ठ से चोंट पहुचाकर हत्या कर दी थी। मृतक के पुत्र फरियादी राधु की सूचना पर थाना आजादनगर में अपराध क्रमांक 165/2021 धारा 302 भादवि का दर्ज कर अनुसंधान में लिया गया। आजादनगर पुलिस के द्वारा घटना को संवेदनशीलता एवं गंभीरता से लेते हुए घटना के आरोपी लालु को घटना के 24 घण्टें के भीतर गिरफतार करते हुए प्रकरण का संपूर्ण अनुसंधान कर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया था।

उक्त प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए प्रकरण को चिन्हित श्रेणी में भी लिया गया था, जिसकी न्यायालय में लगातार पेरवी हुई। अपर सत्र न्यायालय जोबट के द्वारा 14 फरवरी को उक्त प्रकरण के आरोपी लालु पिता मानसिंह को आजीवन कारावास एवं एक हजार रुपए के अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किए जाने का आदेश पारित किया गया। उक्त प्रकरण का अनुसंधान तत्कालीन थाना प्रभारी आजादनगर निरीक्षक केलाश बारिया के निर्देशन में अनुसंधान अधिकारी उप निरीक्षक श्री भीमसिंह के द्वारा किया गया था।

नगरपालिका अध्यक्ष का उप निवार्चन शांतिपूर्ण संपन्न

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अलीराजपुर पद हेतु उप निवार्चन शांति पूर्ण तरीके संपन्न हुआ। कलेक्टर एवं जिला निवार्चन अधिकारी राघवेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने निवार्चन प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने निवार्चन व्यवस्थाओं और सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। म.प्र. राज्य निवार्चन आयोग के दिशा निर्देशअनुसार रिटर्निंग अधिकारी एसडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड ने निवार्चन की प्रक्रिया संपन्न कराई। आयोग द्वारा जारी निवार्चन कायर्क्रम अनुसार अध्यक्ष पद हेतु नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किया गया। नाम निर्देशन पत्र की समीक्षा प्रस्तुत नाम निर्देशन पत्र की सूची का प्रकाशन, निवार्चन लडने वाले अभ्यर्थी की सूची का वाचन, निवार्चन के परिणामों की घोषणा की गई। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद अलीराजपुर हेतु केवल एक ही नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुआ, जिसके आधार पर रितेश डावर अध्यक्ष निवार्चन हुए।

पुलिस द्वारा स्कूलों में जाकर चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिला पुलिस द्वारा संपूर्ण जिलें में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कढी में 14 फरवरी को एकलव्य आवासीय परिसर उमराली रोड पर जागरूकता अभियान के तहत अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अलीराजपुर सुश्री श्रृद्धा सौनकर के द्वारा 100 से अधिक छात्र/छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण के दौरान सुश्री सौनकर के द्वारा बच्चों को महिलाओं/बच्चों पर घटित होनें वाले अपराधों के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही अपहरण, सॉयबर संबंधी अपराध एवं यातायात नियमों के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस दौरान सुश्री सौनकर के द्वारा बच्चों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का भी समाधान कारक जवाब दिए। उक्त जागरूकता अभियान के दौरान संस्था की प्रॉचार्या अंजु तिवारी एवं उनका अधीनस्थ स्टॉफ भी मौजूद रहा।

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि, महिलाओं एवं बच्चों पर होनें वाले अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही के साथ-साथ समाज में जन जागरूकता लाया जाना भी अति-आवश्यक है। महिलाओं पर होनें वाले अत्याचार से लडनें के लिए महिलाओं को कानूनी अधिकार से जागरूक किया जाना चाहिए। अलीराजपुर पुलिस द्वारा संपूर्ण जिलें में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जो निरंतर जारी रहेगा।

स्टॉपडेम मे कटाव तथा कड़ी शटर को मरम्मत की है दरकार

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ-बोरझाड़ के मध्य बहने वाली हथनी नदी पर 25 वर्ष पूर्व विकासखंड उदयगढ़ के सिंचाई विभाग द्वारा निर्मित स्टॉप डेम अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। महिनों तक विशाल जल राशि को सहेजने वाले स्टॉप डेम में वर्षा के बाद कुछ दिनों तक भी पानी नहीं रहता है और सूख जाता है। कड़ी शटर की मरम्मत नहीं हो रही है और अब स्टॉप डेम की दीवारें खोखली हो रही है। जिलाधीश द्वारा जल संरचनाओं की मरम्मत के आदेश के बावजूद स्थानीय पंचायत इस ओर ध्यान नहीं दे रही है।

आम्बुआ-बोरझाड़ की जीवन रेखा कहीं जाने वाली हथनी नदी पर वर्ष 1997-98 में विकासखंड उदयगढ़ के सिंचाई विभाग द्वारा एक मजबूत स्टॉप डेम का निर्माण कराया गया था। मजबूती के कारण यह 25 वर्षों बाद भी अपने स्थान पर खड़ा है। हालांकि अब इसकी दोनों तरफ की दीवारें खोखली होती जा रही है दीवारों के अंदर गहरे गड्ढे (सुरंगनुमा) हो चुकी है। जिस कारण आगामी समय में वर्षा काल में स्टॉप डेम को नुकसानी हो सकती है। इसके साथ ही तीन-चार वर्षों से इसकी कड़ी शटर (गेट) भी जीर्ण-शीर्ण होने से जब गेट बंद किए जाते हैं तो पानी छेदों में से बाहर बह जाता है जिससे जल संग्रह नहीं हो पाता है, नतीजा नदी कुछ दिनों बाद ही सूख जाती है। विगत दिनों तत्कालीन जिलाधीश राघवेन्द्र सिंह जिले में जीर्ण-शीर्ण स्टॉप डैमो, कुओं, बावड़ियों तथा तालाब आदि की मरम्मत गहरी करण कराने हेतु 15 दिन में कार्य पूर्ण करने की के आदेश जारी किए थे। इसके बावजूद अनेक ग्राम पंचायतों ने अभी तक कार्य योजना बनाकर जनपद कार्यालय में नहीं भेजी है। 26 जनवरी को ग्राम सभा में भी इसके प्रस्ताव पारित होना थे, मगर अधिकांश पंचायतों में या तो ग्राम सभाएं हुई ही नहीं या फिर औपचारिकता पूर्ण कर ली गई। जिस कारण एक जल संवर्धन से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य नहीं हो रहा है। आम्बुआ में भी स्टॉप डेम तथा कुएं अपनी मरम्मत की राह निहार रहे हैं।

वन विभाग की निष्क्रीयता ने ली तेंदुए की जान, विभाग के पास वन्य प्राणियों की जानकारी ही नहीं

शुरू से अब तक चली आ रही सिर्फ और सिर्फ खानापुर्ति, जिले के आला अधिकारी भी मौन

दोषियों पर होगी कार्रवाई या होगी लीपापोती...?

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसूरी

जिला मुख्यालय से सटे नल्दी के जंगल में रविवार सुबह तार के जाल में फंसा एक वयस्क तेंदुला मिला। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग मौके पर पहुंचा, लेकिन विभाग की निष्क्रीयता ने इस वयस्क तेंदुए की जान ले ली। घटनास्थल पर पहुंचने के बावजूद वन विभाग के अधिकारियों ने तेंदुए को बचाने के कोई प्रयास नहीं किए। केवल मुकदर्शक बनकर रास्ते की आवाजाही ही यह अमला बंद कर सका। इंदौर से रेस्क्यू टीम को फोन कर बुलाया गया, मगर रेस्क्यू टीम जब तक घटना स्थल पर पहुंचती तेंदुए ने दम तोड़ दिया था। देखने और सुनने में यह साधारण घटना हो सकती है, लेकिन यह वन्य प्राणीयों के संरक्षण व सुरक्षा को लेकर एक गंभीर मुद्दा है। वैसे तो प्रदेश बाघों और तेंदुओं के संरक्षण, सुरक्षा और संख्या के मामले में देश में प्रथम स्थान पर है। मगर अफसोस कि इस जिले में इस तरह के रेस्क्यू करने वाली टीम ही मौजूद नहीं है। ना ही विभाग के पास वन्य प्राणियों की सुरक्षा करने व उन्हे रेस्क्यू करने के पर्याप्त संसाधन है। इसी का नतीजा है कि, रविवार को एक वयस्क तेंदुए को अपनी जान से हाथ धोने पड़े।

अब पूरे घटना क्रम के बाद वन विभाग के भोपाली गलियारों में हलचल मच गई है। रेस्क्यू टीम के साथ जांच दल झाबुआ में गोते खाता नजर आ रहा है। नर तेंदुए की मौत के बाद अब अंदाजे से मादा तेंदुए को रेस्क्यू टीम ढूंढने में लगी हुई है। निशान भी मिले है लेकिन यह पक्का नहीं है कि वह मादा तेंदुआ है या नर। रेस्क्यू टीम को दो-तीन दिन हो चुके है लेकिन अभी तक वह दूसरे तेंदुए तक नहीं पहुंच सकी है। केवल पदचिन्हो व लीद (मल) से यह आशंका जताई जा रही है कि, एक और तेंदुए की हलचल इस क्षेत्र में है। मगर अब तक वन विभाग के हाथ खाली है। वयस्क नर तेंदुए की मौत का कारण भी संदेह पैदा करने वाला है। क्योंकि जंगल में वन्य प्राणी हर मौसम का सामना करते हुए रहते है। सख्त गर्मियों में भी यह पानी व भोजन के अभाव में लंबे समय तक जीवित रहते है। जिस तरह से तेंदुआ जाल में फंसा था, उससे तो यही प्रतीत होता कि यह किसी व्यक्ति ने यहां लगाया था। यानि वन्य प्राणियों के शिकार की संभावना हो सकती है। स्वाभाविक है कि फंदे में फंसाने के लिए उसने चारा भी लगाया होगा और उसमें कुछ विषेला पदार्थ का प्रयोग भी किया होगा। अब तक की स्थिति से किसी भी तरह की संभावनाओं का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। लेकिन यह तय है कि वन विभाग वन्य प्राणियों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर बेहद लापरवाह और निठल्ला है।

फंदा लगा मिला यानि शिकारी सक्रिय है

क्षेत्र मे तेंदुए की मौत जिले में कई सवाल वन्य प्राणियों के संरक्षण और सुरक्षा पर खड़े कर रही है। जिस तरह तेंदुआ फंदे में फंसा मिला उससे तो यह तय है कि, जिले में वन्य प्राणी, शिकारियों का शिकार हो रहे है। तेंदुए की मौत के बाद शायद यह मामला सामने आया है लेकिन हो सकता है कि इससे पहले भी शिकारियों ने कई वन्य प्राणियों को अपना शिकार बनाया हो। वैसे भी माना यह जाता है कि, जंगल में वन्य प्राणियों का शिकार करने का यह सबसे अच्छा समय होता है। खेतों में खड़ी फसलें वन्य प्राणियों को अपनी ओर आकर्षित करती है और इसी का फायदा उठाकर शिकारी अपनी कारस्तानियों को अंजाम देते है। ग्रामीण क्षेत्रों में खरगोश जैसे छोटे जीवों का भी खूब शिकार किया जाता रहा है और शीत ऋतु के इस समय वन्य प्राणियों की हलचल अक्सर बढ़ी हुई ही नजर आती है। यह भी हो सकता है कि जिस फंदे में तेंदुआ फंसा मिला वह फंदा किसी ओर वन्य प्राणी के लिए लगाया गया हो और भूल में ही तेंदुआ इस फंदे का शिकार हो गया हो।

वन्य प्राणियों की जनगणना सिर्फ कागजी पुलिंदा

कहने को तो भोपाली निर्देशानुसार जिले में भी वन्य प्राणियों की जनगणना होती है। लेकिन इस जनगणना में जिले के वन विभाग ने आज तक कोई पुष्टि नहीं की कि, जिले में तेंदुए भी है। इसी तरह की जनगणना पिछले साल भी की गई थी, लेकिन इसमें यह नहीं पता लगा कि जिले में तेंदुए भी है। जबकि जंगलों के आस-पास के ग्रामीण अक्सर इस तरह के जानवर देखे जाने की पुष्टि पिछले वर्षों में करते आए है। बावजूद इसके वन विभाग ग्रामीणों की इन पुष्टी को नकारता ही रहा है। ग्रामीणों की इन बातों को यह कहकर नकारा जाता रहा है कि, जिले में तेंदुए नहीं है, ग्रामीणों ने लकड़बग्घे को देखा है। लकड़बग्घे के शरीर पर भी इसी तरह की धारियां होती है। मगर वन विभाग इस टाल-मटोल वाली कार्यप्रणाली पर अब प्रश्न चिन्ह खड़े होते नजर आ रहे है। या यूं कहलें कि तेंदुए के सामने आने के बाद वन विभाग के दावों की धज्जियां उड़ रही है। वन्य प्राणियों की जनगणना के बावजूद जिले में तेंदुओं का गिनती में ना आना विभाग की कागजी खानापुर्ति को उजागर कर रहा है। यह भी हो सकता है कि, अब तक वन विभाग की जिले में मौजूद अन्य वन प्राणियों की गणना भी केवल कागजी खानापुर्ति ही हो...? वन विभाग के अन्य कारनामें उजागर हो सकते है यह तय है। तेंदुए की मौत के बाद इंदौर से जिले में पहुंची टाइगर स्ट्राइक फोर्स लगातार दूसरे तेंदुए की तलाश कर रही है। फोर्स का सर्चिंग अभियान कितना लंबा चलेगा यह तो पता नहीं लेकिन जितना लंबा समय यह फोर्स जिले में गुजारेगी जिले के वन विभाग के अधिकारियों की धड़कने बढ़ती चली जाएगी। क्योंकि अगर टाइगर स्ट्राइक फोर्स लंबा समय क्षेत्र में गुजारती है तो जिले में और भी अन्य वन्य प्राणियों के निशान फोर्स को मिल सकते है। हो सकता है वह भी मिल जाए जिसका रिकार्ड जिले के वन विभाग के पास हो ही ना। क्योंकि अब तक का घटनाक्रम तो यही कहता है। अगर इंदौर से आई फोर्स को और भी कुछ मिलता है तो यह तय है कि फिर जिले के वन अमले की परतें प्याज के छिलकों की तरह निकलेंगी।

यह तो विडम्बना ही है

जिले में ऐसा नही है कि, पहली बार तेंदुआ देखा गया है, जिले में पिछले वर्षों में कई घटनाएं ऐसी हुई है, जिससे यह साबित होता आ रहा है कि, जिले में तेंदुओं की मौजूदगी है। बावजूद इसके वन विभाग का यह मानना कि जिले में तेंदुए नहीं है, एक विडम्बना ही है। जबकि पिछले वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए है कई ग्रामीण तेंदुए के हमले से घायल भी हुए है, जाने भी गई है। और तो और वन विभाग के कर्मचारी भी तेंदुए के हमले का शिकार होकर घायल हुए है। इन सारी घटनाओं के बाद वन विभाग का यह कहना कि जिले में तेंदुए नहीं है, विभाग के निठल्लेपन और कागजी खानापुर्ति को उजागर करता है।

पेटलावद क्षेत्र के ग्रामीण करते रहे है मांग

वन्य प्राणियों के संरक्षण को लेकर पेटलावद क्षेत्र के ग्रामीण हमेशा मुखर रहे है। पेटलावद क्षेत्र में राष्ट्रीय पक्षी मोर की संख्या बहुत ज्यादा है और इन्ही के संरक्षण के लिए पेटलावद क्षेत्र के ग्रामीणों ने कई बार मांग भी उठाई है। मगर कुंभकर्णी नींद में सोया जिले का वन विभाग जागने को तैयार नहीं है। ग्रामीणों की शिकायतों और दबाव के बाद इस क्षेत्र में वन विभाग ने खानापुर्ति जरूर की है लेकिन कोई ठोंस योजना वन विभाग अब तक मोरों के संरक्षण को लेकर जमीन पर नहीं उतर पाया है। प्रश्न यह उठता है कि जब राष्ट्रीय पक्षी मोर के संरक्षण को जिले का वन विभाग उदासीन है तो फिर अन्य वन प्राणियों की सुरक्षा की बात ना की जाए तो ही ठीक है। क्योंकि जिले में वन्य प्राणियों की ऐसी कई प्रजातियां है जिन्हे संरक्षित करने और सुरक्षा देने की जरूरत है। मगर जिले में वन विभाग की उदासीनता और कार्यप्रणाली को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता। अगर ऐसा ही चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब जिले में वन्य प्राणियों की संख्या निरंक हो जाएगी।

सुरक्षा उपकरणों व संसाधनों की कमी क्यों?

वैसे तो यह जिला जनजातिय बाहुल है। जिले में बड़ी मात्रा में जंगल है। इन जंगलों में कई प्रकार के औषधी पेड़-पौधे भी मौजूद है और साथ ही मौजूद है इन जंगलों में बसने वाले वन्य प्राणी। देखा जाए तो यहां जंगलों और जंगली जानवरों की सुरक्षा व संरक्षण में उपयोगी तमाम उपकरण व संसाधन होना चाहिए। मगर विडम्बना यह कि विभाग के पास ऐसा कुछ नहीं है। वन कर्मी जो हमेशा जंगलों में वनों और वन्य प्राणियों की सुरक्षा में गश्त पर रहते है, उनकी खुद की सुरक्षा के लिए मात्र हेलमेट, चेस्ट गार्ड और एक लाठी ही उपलब्ध है। इसके अलावा किसी तरह के उपकरण इतनें बड़े जंगल को संभालने के लिए वन विभाग के पास नहीं है। जंगली जानवरों के हमले से बचने या वन कटाई कर लकड़ी व सागवान की तस्करी करने वालों से निपटने के लिए भी कोई इंतजाम विभाग के पास नहीं है। तो फिर यह प्रश्न भी वाजिब है कि, नाम का वन विभाग और पास में सुरक्षा के नाम पर कुछ नहीं, चाहे वह सुरक्षा खुद की हो या वन्य प्राणियों की?

गूंज की आशंकाएं आई सामने: गौ हत्या का एक और हुआ खुलासा

माही की गूंज खवासा।

क्षेत्र में गौ हत्याओ का मामला एक के बाद एक सामने आ रहा है। हमने खवासा चौकी के अंतर्गत ग्राम परवाड़ा में गाय चोरी व उसकी हत्या के साथ खुलासा किया था कि, किस तरह से पुलिस ने भांजगड़ी का दबाव बनाकर गौ हत्या के मामले में अपराधियों को संरक्षण दिया और गौ संरक्षण की बात करने वाले हिंदू संगठन भी मामले में किस तरह से नदारद रहे। हमारे खुलासे के साथ ही हमने आशंका भी जताई थी कि, पुलिस के इस तरह के संरक्षण व हिंदू संगठन की अनदेखी के चलते तय है क्षेत्र में गौ हत्यारों के हौसले बुलंद होकर ऐसे मामले बढ़ने की आशंका जताई थी जो सही साबित हुई।

रविवार की रात्रि में पुलिस को सूचना मिली कि, मालदा में उदा के खेत में कुछ लोग गाय को काट रहे हैं। उक्त सूचना के साथ ही हाल ही में गूंज ने गाय हत्या में पुलिस के चरित्र का खुलासा होने पर पुलिस भी हरकत में आई और शिकायत मिलते ही खवासा पुलिस मौके पर पहुंची। आयुष उर्फ मुन्ना पिता प्रेमा व कालू पिता मानसिंह भूरिया निवासी मादलदा मौके से पुलिस के हत्थे चढ़े। वहीं पुलिस की गाड़ी देख 10-12 लोग जो गौ हत्या कर आपसी में बटवारा कर सेवन करने के लिए गाय को काट रहे थे फरार हो गए। पुलिस ने मौके से गाय के मांस के साथ उसको काटने के हथियार भी मौके से जब्त किये।

अब भी पुलिस अपनी कारस्तानी दिखाने में नहीं कर रही कोई चूक

स्थानीय पुलिस अब भी अपनी कारस्तानी दिखाने में कोई चूक नहीं कर रही है कहने को तो हमारी कलम से प्रभावित होकर उक्त गौ हत्या का मामला पुलिस को दर्ज करना पड़ा। लेकिन पकड़े गए दोनों आरोपियों से पुलिस ने भले ही अन्य 10-12 उनके साथियों के नाम उगला लिए कि, इस गौ हत्या में बराबर के कौन-कौन गौ हत्यारे थे लेकिन पुलिस ने 4 दिन बीत जाने के बाद भी नहीं किसी अन्य आरोपी की गिरफ्तारी अब तक की और न ही पुलिस आरोपियों द्वारा बताए गए उनके साथियों के नाम पत्रकारों के समक्ष उजागर कर रही है। बुधवार को पुलिस से मामले की अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी ली तो, पहले तो बताया दो आरोपियों की गिरफ्तारी कर सोमवार को दोनों आरोपी प्रेमा व कालू को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

आरोपियों द्वारा अपने सह आरोपी के नाम बताए होंगे जिसकी जानकारी ली, तो खवासा चौकी पर पदस्थ एएसआई तिवारी ने कह दिया आरोपियों ने किसी का नाम नहीं बताया, मामले में पुलिस जांच कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

जब चौकी प्रभारी रज्जनसिंह गणावा से जानकारी ली कि पुलिस ने न्यायालय में पेश किए दोनों आरोपियों की रिमांड मांगी थी क्या...? जिस पर चौकी प्रभारी हरकत में आए और बताया आरोपी मामले में कोई जानकारी नहीं बताते हैं तो रिमांड मांगा जाता है, दोनों आरोपियों ने अन्य 6-7 आरोपियों के नाम बताए हैं इसलिए रिमाइंड नहीं मांगा। आरोपियों के नाम पूछने पर श्री गणावा ने कहा, मैं तिवारी को कहता हूं उनसे नाम ले लो।

मामले में पुलिस की कारस्तानी को जानने के लिए पुनः श्री तिवारी से जानकारी ली, तो फिर भी कहने लगे आरोपी ने कोई नाम नहीं बताया, जब चौकी प्रभारी का हवाला दिया, तो यहां भी पुलिस अपनी कारस्तानी बताते हुए सिर्फ दो आरोपी पप्पू पिता रायचंद, तलसिंग पिता उदा भूरिया निवासी मादलदा का खुलासा करते हुए इनकी गिरफ्तारी के बाद अन्य आरोपीगण के नाम पता चल पाएंगे का कह कर पूरी जानकारी देने से पुलिस बचती रही।

पुलिस की दाढ़ी में चोर का तिनका

कहते हैं चोर की दाढ़ी में ही तिनका रहता है। नतीजन उक्त कहावत को चरितार्थ करते हुए खवासा पुलिस की दाढ़ी में चोर का तिनका स्पष्ट रूप से गौ हत्या का मामला दर्ज करने के बाद भी बचे हुए आरोपियों को संरक्षण देने की नियत के साथ, पुलिस ने अभी तक अन्य आरोपियों को नहीं गिरफ्तार किया है और अब तक की कार्रवाई में आरोपियों के नाम पुलिस के पास आने के बाद भी स्थानीय पुलिस जानकारी देने से बच रही है। जिससे स्पष्ट दिख रहा है कि खवासा पुलिस की दाढ़ी में चोर का तिनका है।

एक दिन में हुए दो आदेश बने चर्चा का विषय

कलेक्टर ने नायाब तहसीलदार को किया आदेश तो शाम होते ही इंदौर से आया नया आदेश

माही की गूंज, पेटलावद।

जिले की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर कोई न कोई चर्चा होती ही रहती हैं। पेटलावद नगर परिषद सीएमओ के लिए एक दिन में दो आदेश को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। गत दिनों प्रभारी सीएमओ मनोज शर्मा को कार्य मे लापरवाही के चलते निलंबित कर दिया गया था, जिसके बाद थांदला से उप राजस्व निरीक्षक अशोक चौहान को सीएमओ बनाए जाने की चर्चा चलने लगी लेकिन जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा 14 फरवरी को एक आदेश जारी कर सारंगी टप्पा तहसील की तेजतर्रार नायाब तहसीलदार सुश्री परवीन बानो अंसारी को नगर परिषद पेटलावद के सीएमओ का प्रभार सोप दिया था। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के बाद राजनीतिक हलचल ऐसी तेज़ हो गई थी कि कयास लगाए जाने लगे थे कि, कलेक्टर के आदेश को चार-आठ दिन में बदल दिया जाएगा। लेकिन 24 घंटे भी नही बीते की नगरीय प्रशासन एवं विकास इंदौर के संयुक्त संचालक द्वारा 14 फरवरी शाम को ही नया आदेश जारी करते हुए, पेटलावद नगर परिषद में उप राजस्व निरीक्षक के पद पर पदस्थ अशोक चौहान को आगमी आदेश तक सीएमओ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। सम्भव है कलेक्टर के आदेश के बाद स्थानीय राजनीतिक उठापटक के बाद ताबड़तोड़ में अशोक चौहान को सीएमओ बनाया गया। वही कहा जा रहा है विगत दिनों पेटलावद आए प्रभारी मंत्री द्वारा एसडीएम पेटलावद को लगाई गई फटकार के बाद प्रशासनिक किरकिरी हुई थी और इसी लिए जिला कलेक्टर ने नायब तहसीलदार को सीएमओ का प्रभार दिया था।

14 फरवरी को जारी जिला कलेक्टर का आदेश।

14 फरवरी को ही जारी सयुक्त संचालक इंदौर द्वारा जारी आदेश

सड़क की पीढ़ा

मैं बेबस, एक पंगु व्यवस्था का हिस्सा हूँ...!

माही की गूंज के पाठक एंव विरिष्ठ पत्रकार हेमन्त चौपडा

मैं एक अनाथ, असहाय, बेबस, दु:खी सड़क हूँ। मैं बनी तो हूँ सभी को बेरोकटोक अपनी-अपनी मंजिल पर पहूँचाने के लिए पर मेरी छाती पर अतिक्रमण की उग आई खरपतवार सभी को चाहे वो पदयात्री हो या वाहनसवार बड़ा परेशान होना पड़ रहा है। मैं न दिखने वाले अतिक्रमण से भी परेशान हूँ, मैं कचरा ढोती हूँ, नालियों का गन्दा पानी ढोती हूँ, मेरा वहां वजूद खत्म हो जाता है जब सड़क न रहने देकर एक पार्किंग पॉइंट बना दिया जाता है, पर सब मानों मौन के अवतार बन गए है। मिडिया को छोड़ कोई बोलने को तैयार नहीं, सबने मुहं में मूंग भर लिए, कौन बुराई मोल ले...?

और भाई लोग है कि, रास्ता संकरा करते ही जा रहे है। यह किसी एक गाँव, नगर, शहर की बात नहीं रही है, अब तो ये पूरे देश में छोटे-से-छोटे गाँव में लाइलाज कैंसर की तरह फैल चुकी बिमारी बन चुकी है व तेजी से फैल रही है। बढती आबादी, बढती कांक्रीट की इमारतें, बढती वाहनों की संख्या, बढ़ते अतिक्रमण से घबराकर मैं अपनी जान बचाने, अतिक्रमण से छुटकारा पाने रिंग रोड, बायपास के रूप मे गाँव-शहर से बहुत दूर चली जाती हूँ, तो भी ये मेरा पीछा नहीं छोड़ते है वहां भी आ धमकते हैं, अंगद के पैर की तरह जम जाते हैं, फिर जकड़ लेते है। जब मेरे आगोश में होते हैं तब सभी मेरी दुर्दशा पर (घडयाली?) आंसू बहाते है, अतिक्रमण कर्ताओं से गुजर रहे लोंगों के बिच होने वाली भली-बुरी बातों से मैं सहम जाती हूँ, जिनके लिए मैं बनी हूँ उन्हीं गुजर रहे लोंगों को अकारण अपमानित होते देख मैं बहुत पीड़ित होती हूँ।

पर मैं क्या करूँ बेबस हूँ, एक पंगु व्यवस्था का हिस्सा जो हूँ...! ऐसी पंगु व्यवस्था जो अतिक्रमण के नासूर से किसी बेगुनाह के बेमौत मर जाने पर भी नहीं पसीजती हैं, शायद इस देश में अतिक्रमण गुनाह नहीं अधिकार है, इसीलिए तो अतिक्रमण कर्ताओं को पट्टें व गुजरने वालों को यहाँ सजा मिलती हैं।

आखिर व्यवस्था की इस विसंगति का आम नागरिकों को कब तक खामियाजा भुगतना है...? अब सड़कें बनाने से ज्यादा अहम उन्हें अतिक्रमण मुक्त रखना हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422